वैशाख कृष्ण पक्ष- 10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 276 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

12 अप्रैल 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

36.8 अधिकतम

20.4 न्यूनतम

Page-7

आपसी भरोसे के बिना, शर्तों की बुनियाद पर सुलह की कोशिश का नतीजा

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

बॉलीवुड की मशहूर फिल्म पूरब-पश्चिम में मुकेश के स्वर में इंदीवर का लिखा गीत था - ' कोई शर्त होती नहीं प्यार में , मगर प्यार शर्तों पर तुमने किया। ' ये पंक्तियां ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की जंग को खत्म करने के लिए हुई मीटिंग पर फिट बैठती दिखती हैं। कल दोपहर से ही संकेत मिल रहे थे कि समझौते की बुनियाद शर्तों पर खड़ी है। शर्तों पर न तो प्यार होता है और न कोई करार किसी अंजाम तक पहुंच पाता है। इस पूरी सुलह वार्ता में पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की भूमिका की पोल खुल गई है जो अमेरिका के साथ ही ईरान से अपने करीबी संबंधों की दुहाई दे रहे थे। पोल भारत में बैठकर देश विरोधी सुरों को हवा देने वालों की भी खुली है। पाकिस्तान को हीरो और भारत तथा पीएम नरेंद्र मोदी को जीरो साबित करने पर आमादा पूर्वाग्रह से भरे लोगों ने भी मुंह की खाई है।

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अघराची, तथा अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी जोंस पूरे लाव लश्कर के साथ जंग का समाधान खोजने के लिए इस्लामाबाद की धरा पर उतरे थे। दोनों ही अपने साथ लेकर आए थे, शर्तों की लंबी चौड़ी लिस्ट। ऐसी शर्तें जो न तो अमेरिका को कुबूल थीं और न ही ईरान को। फिर, सुलह वार्ता पर इजरायल के इस दोवे ने पानी फेर दिया कि वह ईरान और लेबनान पर हमले नहीं रोकेगा। दरअसल, जंग की जाहिर वजह चाहे कुछ हो, इसके पीछे अमेरिका और इजरायल के अपने - अपने छुपे एजेंडे हैं। दुनिया को बहलाने के नाम पर भले अमेरिका होर्मुज खुलवाने के नाम पर जंग आगे बढ़ाए, लेकिन ईरान के विशाल तेल और गैस भंडार पर कब्जा करने के उसके मंसूबे पूरे होने तक जंग में ठहराव मुश्किल दिखता है। भू-राजनीतिक और भौगोलिक लिहाज से भी ईरान की धरा बेहद अहम है। ट्रम्प का मकसद वहां सैन्य बेस बनाने का है, ताकि चीन और रूस पर सीधी निगरानी कर सके। उधर, हिजबुल्लाह को ठिकाने लगाने के नाम पर इजरायल का दक्षिणी लेबनान पर कब्जा करके ग्रेटर इजरायल का मंसूबा है। लेबनान के पीएम ने भी इजरायल की इसी मंशा को भांपते हुए 14 अप्रैल को वाशिंगटन में प्रस्तावित संवाद की पेशकश को ठुकराया है ।

यह संकेत हैं कि लेबनान किसी भी सूरत में यूएस-इजरायल के ट्रैप में नहीं फंसेगा। जाहिर है जहां यूएस डिप्टी प्रैसीडेंट ईरान की शर्तों से जूझ रहे थे, वहीं राष्ट्रपति ट्रम्प जंग के नए अध्याय की इबारत लिखने में मशगूल थे।

तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर दुनिया?

संवाद के सार्थक नतीजों की उम्मीदें लगाए पाकिस्तानी हुक्मरान भी यह भूल बैठे कि अमेरिका और ईरान के साथ इस जंग के दो अन्य पक्ष यानि इजरायल और लेबनान भी अहम हैं। इनके बगैर सुलह की तार्किक परिणिति संभव नहीं। हुआ भी यही। किसी भी सुलह के लिए भरोसे की मजबूत बुनियाद अनिवार्य शर्त है , जो पूरी तरह से नदारद थी। वार्ता का पहला दौर यदि इसे जारी रखने के इरादे के साथ थमता तो निकट भविष्य में अमन की उम्मीदें कायम रहतीं। अब आगे क्या होगा,यह यक्ष प्रश्न है। ट्रम्प वार्ता के दौरान ही ईरान की तबाही का ऐलान चुके थे। इस जंग को शुरू से हल्के में ले रहे ट्रम्प को शायद अब भी यह अंदाजा नहीं है कि ईरान से जुड़ी उनकी हसरतों को रूस और चीन किसी भी सूरत में पूरा नहीं होने देंगे। फिर चाहे दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के दौर में ही क्यों न प्रवेश कर जाए।

पाक न तो मीडियेटर रहा और न मैसेंजर बन सका

इस पूरे घटनाक्रम के दौरान मीडियेटर के बतौर पेश खुद को पेश करते पाकिस्तान की भूमिका न मीडिएटर की रह सकी और न मेसेंजर की रह गई। असीम मुनीर ट्रम्प के मोहरे हैं, यह किसी से छुपा नहीं है,लेकिन मुनीर ने ट्रम्प को अपने ईरान से पारिवारिक ताल्लुकों का हवाला देते हुए यह यकीन दिला रखा था कि सिर्फ वही हैं जो समझौते की मेज पर ईरान को राजी करा सकते हैं। गौरतलब है कि भारत के जालंधर में जन्में सुन्नी मुसलमान मुनीर की पत्नी सैयदा इरम हैं। वह ईरान के झंग निवासी शिया मौलवी सैय्यद गुलाम शाह की बेटी हैं। गुलाम शाह की ईरानी हुकूमत में गहरी पैठ का हवाला देते हुए ही मुनीर ने पाकिस्तान की मध्यस्थता का ऑफर दिया। मुनीर क्या सोचते हैं? कहां तक सोचते हैं? यह उनका अपना मसला है,लेकिन ट्रम्प और अमेरिका के असली इरादों का अंदाजा शायद वे शायद उनको नहीं हो। नतीजा सामने है।

पहला मैच : लखनऊ-गुजरात, समय : दोप. 3.30 बजे

दूसरा मैच : मुंबई-आरसीबी, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

भोपाल में ट्रांसफार्मर में ब्लास्ट, फॉर्च्यूनर में आग

भोपाल। शहर के एमपी नगर में आज एक भीषण हादसा हो गया, जहां ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। आग की लपटों ने वहां खड़ी फॉर्च्यूनर कार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह जलकर खाक हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी।

15 मिनट में दो बार भूकंप के झटकों से कांपा जम्मू

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा में आज सुबह-सुबह दो भूकंप दर्ज किए गए। पहला भूकंप सुबह 4 बजकर 22 मिनट पर आया था, जिसकी तीव्रता 4.6 की रही।वहीं, दूसरा भूकंप सिर्फ 15 मिनट बाद 4 बजकर 37 मिनट पर आया था। हालांकि, दूसरी बार इसकी तीव्रता थोड़ी कम रही। इस बार 10 किलोमीटर की गहराई और 3.0 की तीव्रता रही।भूकंप का अहसास होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। हालांकि, फिलहाल किसी जानमाल की नुकसान को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

मंदसौर में नकली दूध बनाने की आशंका में मारे छापे

मंदसौर। मंदसौर जिले में पुलिस ने आठ दिन में दूसरी बार गरोठ क्षेत्र में नकली दूध बनाने की आशंका में छापामार कार्रवाई की है। शनिवार की देर रात गरोठ के ग्राम चचावदा चौकटिया में एक बाड़े में दबिश देकर पुलिस ने यूरिया, केमिकल सहित अन्य सामग्री जब्त की है। यहां लगभग 700 लीटर दूध का स्टाक भी मिला है। अब जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। मौके से पुलिस ने ढाई कट्टा यूरिया, केमिकल सहित अन्य सामग्री जब्त की है जो संभवतः नकली दूध बनाने के लिए उपयोग की जा रही थी। साथ ही करीब 700 लीटर दूध का स्टाक भी मिला।

आज का कार्टून

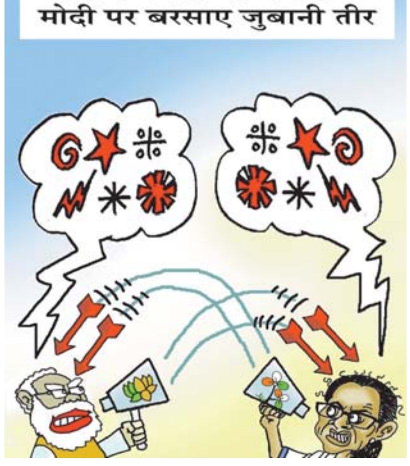

दोनों पक्ष अपनी शर्तों पर अड़े, इस्लामाबाद की मीटिंग फेल

होर्मुज स्ट्रेट और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच

इस्लामाबाद में हुई हाई-लेवल मीटिंग के फेल होने से दुनिया को बड़ा झटका लगा है। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब एक बार फिर मिडिल ईस्ट में युद्ध तय है? क्या दुनिया एक और बड़े संकट की ओर बढ़ रही है? अमेरिका का साफ कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने दिए जाएंगे, जबकि तेहरान अपने रुख पर कायम है। ऐसे में टकराव की आशंका और भी बढ़ गई है।

इस्लामाबाद / तेहरान / वाशिंगटन डीसी. एजेंसी

पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही 21 घंटे की बातचीत बेनतीजा रही। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर पेंच फंसा है। चर्चा विफल होने के बाद अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। रवाना पहले वेंस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना किसी डील के ही लौट रहा है।

» अमेरिका ने कहा - समझौता न होना ईरान के लिए बुरी खबर

समझौता न होना अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया। इस घटनाक्रम के बाद अब एक बार फिर क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

वेंस ने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया।

» ईरान बोला - अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं

10 दिन बाद फिर होगी वार्ता !

हालांकि ईरान के विदेश मंत्रालय यह भी कहा है कि कूटनीति का रास्ता बंद नहीं हुआ है । अमेरिका के साथ बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हुई, क्योंकि तीन अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी। माना जा रहा है कि यह होर्मुज, परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय सुरक्षा के मसले थे। वार्ता के दौरान ईरान के 10 प्रस्तावों और अमेरिका की शर्तों पर विस्तार से चर्चा हुई। ईरान ने पहले से ही माना था कि एक ही दौर की बातचीत में समझौता होना मुश्किल है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने उन्होंने जताई है कि करीब 10 दिनों बाद फिर से वार्ता शुरू हो सकती है। डार के मुताबिक हालात चुनौतीपूर्ण जरूर हैं, लेकिन सीजफायर बने रहने की संभावना अभी भी है।

समंदर में बढ़ी हलचल

उधर अमेरिका ने समंदर में अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट में माइंस हटाने और सुरक्षित मार्ग बनाने का ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इसके तहत समुद्र में गाइडेड मिसाइलों को नष्ट करने वाले जहाज तैनात किए गए हैं। सेंट्रल कमांड के मुताबिक, यह मिशन समुद्री रास्ते को सुरक्षित बनाने और वैश्विक व्यापार को बहाल करने के लिए चलाया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी साफ कर दिया है कि अमेरिका होर्मुज को खोलने के लिए कार्रवाई करेगा, चाहे ईरान साथ दे या नहीं।

ईरान के लोगों में चिंता बढ़ी

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत बेनतीजा रहने के बाद कई ईरानी लोग सोशल मीडिया और मैसेज के जरिए अपनी चिंता जाहिर कर रहे हैं। कई लोग इस बातचीत पर नजर बनाए हुए थे और उम्मीद कर रहे थे कि कोई कूटनीतिक रास्ता निकलेगा, जिससे जंग खत्म होगी और प्रतिबंध हटने से उनकी आर्थिक हालत सुधरेगी। तेहरान के रहने वाले आमिर होसैन ने एक मैसेज में लिखा, भगवान हमारी मदद करें, लगता है अब हम फिर से जंग की तरफ लौट रहे हैं।

जाइए आप कहां जाएंगे...

सदाबहार गायिका आशा भोसले का 92 की उम्र में निधन

मुंबई, एजेंसी

सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। आज दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था। तब खबर आई थी कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ है, साथ ही चेस्ट में भी कुछ समस्या थी। बाद में उनकी पोती जनाई भोसले ने कहा था कि उन्हें सिर्फ थकान और चेस्ट में दिक्कत है। वे जल्द ठीक हो जाएंगी। आशा भोसले ने अपने करियर में 12,000 से ज्यादा गाने गाए है। वे मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और महान गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं।

डिंडौरी में भीषण सड़क हादसा तेज रफ्तार ट्रक ने 5 को रौंदा

डिंडौरी, एजेंसी

जबलपुर-अमरकंटक मुख्य मार्ग में जिले के गाड़ासरई थाना अंतर्गत ग्राम किकरा तालाब के पास तेज रफ्तार ट्रक कैप्सूल वाहन ने छह लोगों को रौंद दिया। हादसे में जहां पांच लोगों की मौत हो गई वहीं एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

बताया गया कि हादसे का शिकार लोग परसवाह, करबे मट्ठा और उफरी गांव के रहने वाले थे। यह लोग शनिवार को सिलियारी गांव में चौक कार्यक्रम से शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। पिकअप वाहन से लौटते समय उनका वाहन पंचर हो गया। रात लगभग 12:30 बजे वाहन पंचर होने के चलते सभी लोग पिकअप से उतरकर टायर बदलने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अमरकंटक की ओर से तेज रफ्तार अनियंत्रित होकर आ रहे ट्रक ने सड़क किनारे खड़े लोगों को चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी तेज थी कि कई लोग 10 फीट तक ऊपर उछल गए।

ड्राइवर मौके से फरार: ट्रक यही नहीं रुका, वह लोगों को कुचलने के बाद सड़क किनारे बनी छोटी मडिया, बिजली के पोल और यात्री प्रतीक्षालय को भी टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। मौके से लगभग 350 मीटर दूर जाकर वाहन रुका और वाहन चालक मौके से फरार हो गया। रात में ही घायल को अस्पताल पहुंचाया गया।

तीन जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी अमरनाथ यात्रा

जम्मू, एजेंसी

श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 का शुभारंभ तीन जुलाई से होगा और यह पवित्र यात्रा 57 दिनों तक चलकर 28 अगस्त को संपन्न होगी। इस यात्रा की घोषणा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की बैठक के बाद की। यात्रा के लिए आयु सीमा 13 से 70 वर्ष तय की गई है। श्रद्धालु पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग और 14 किलोमीटर छोटे लेकिन कठिन बालटाल मार्ग से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए यात्रा कर सकेंगे। इस वर्ष की प्रथम पूजा ज्येष्ठ पूर्णिमा, 19 जून को आयोजित की जाएगी। प्रशासन ने यात्रा को सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।

लाडली बहनों का 'सुपर संडे' खाते में आए 1836 करोड़ रुपए

सीहोर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाडली बहनों के खाते में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की।

इस अवसर मुख्यमंत्री ने 184 करोड़ 92 लाख रुपये लागत के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। इन कार्यों में 115 करोड़ 32 लाख रुपये के कार्यों का लोकार्पण एवं 69 करोड़ 60 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। महिलाओं के लिए मध्य प्रदेश की इस सबसे बड़ी योजना की शुरुआत साल 2023 में हुई थी। तभी से इस योजना का लाभ हर महीने महिलाओं को मिल रहा है। पिछले नवंबर से ही इस योजना के तहत सम्मान राशि को 1250 से बढ़ाकर 1500 रुपये किया गया था। 34 किस्तों में अब तक महिलाओं के खाते में 54000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जा चुके हैं।

मेट्रो एंकर

220 किमी प्रति घंटे की डिजाइन स्पीड वाले नए ट्रेन सेट्स को भारतीय रेल ने दी मंजूरी

बुलेट ट्रेन का देसी अवतार, 5 घंटे में 1000 किमी की दूरी तय करने का लक्ष्य

नईदिल्ली, एजेंसी

तेजस सुपरफास्ट और वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद इंडियन रेलवे अब एक और नया अध्याय लिखने की तैयारी कर रहा है। एक ऐसी नई ट्रेन डेवलप करने की तैयारी कि जा रही है, जिसकी रफ्तार मौजूदा वंदे भारत सेमी हाईस्पीड एक्सप्रेस ट्रेन से भी ज्यादा होगी। इससे दिल्ली से पटना की1000 किलोमीटर की यात्रा को 5 घंटे से भी कम समय पूरा किया जा सकेगा। भारतीय रेलवे ने 220 किमी प्रति घंटे की डिजाइन स्पीड वाले नए ट्रेनसेट्स को मंजूरी दे दी है। 'फाइनेंशियल एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत इस परियोजना के तहत पहले चरण में दो अत्याधुनिक ट्रेनसेट्स का निर्माण किया जाएगा। इन्हें 2027-28 के कोच प्रोडक्शन प्रोग्राम में

शामिल किया गया है और इनका निर्माण कार्य चेन्नई कोच फैक्ट्री को सौंपा गया है।

इस योजना के तहत एक कोच की कीमत लगभग 27.86 करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पूरे कॉन्ट्रैक्ट का मूल्य 866.87 करोड़ रुपये है। इसमें डिजाइन, निर्माण, टूलिंग और ट्रायल से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं शामिल हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह निवेश न केवल तेज गति वाली ट्रेनों का निर्माण करेगा, बल्कि भविष्य की हाईस्पीड रेल परियोजनाओं के लिए तकनीकी क्षमता भी विकसित करेगा। वर्तमान में भारत में अधिकांश ट्रेनें 160 किमी प्रति घंटे तक की गति से चलती हैं, लेकिन ट्रैक की सीमाओं के कारण वास्तविक गति अक्सर इससे कम रहती है। हालांकि, इन नए ट्रेनसेट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के साथ भारतीय रेलवे धीरे-धीरे तेज रफ्तार यात्रा के नए युग की नींव रख रहा है। आने वाले वर्षों में यह पहल लंबी दूरी की यात्रा को न केवल तेज बल्कि अधिक आधुनिक और सुविधाजनक बना सकती है. 220 किमी प्रति घंटे की क्षमता वाली ये नई ट्रेनें भारत के रेल नेटवर्क को एक नई पहचान देने की दिशा में अहम साबित हो सकती हैं।

वंदे भारत से ज्यादा रफ्तार

फिलहाल वंदे भारत एक्सप्रेस की अधिकतम डिजाइन स्पीड 180 किमी प्रति घंटा है, जबकि नई ट्रेनों की डिजाइन स्पीड 220 किमी प्रति घंटा और संभावित ऑपरेशनल स्पीड 200 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। यदि यह लक्ष्य हासिल होता है, तो भारत उन देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जहां सेमीहाई स्पीड ट्रेनों का नेटवर्क तेजी से विकसित हो रहा है। इस परियोजना को 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने वाला बड़ा कदम भी माना जा रहा है। शुरुआत में प्रत्येक ट्रेन 8 कोच के साथ तैयार की जाएगी, जिसे बाद में 16 कोच नई सेमी हाईस्पीड ट्रेन में उच्च टिकाऊपन के लिए स्टील बॉडी वाले कोच होंगे और पूरी तरह वातानुकूलित चेयर कार लेआउट होगा। उन्नत ऑनबोर्ड यात्री सूचना प्रणाली लगाई जाएगी।

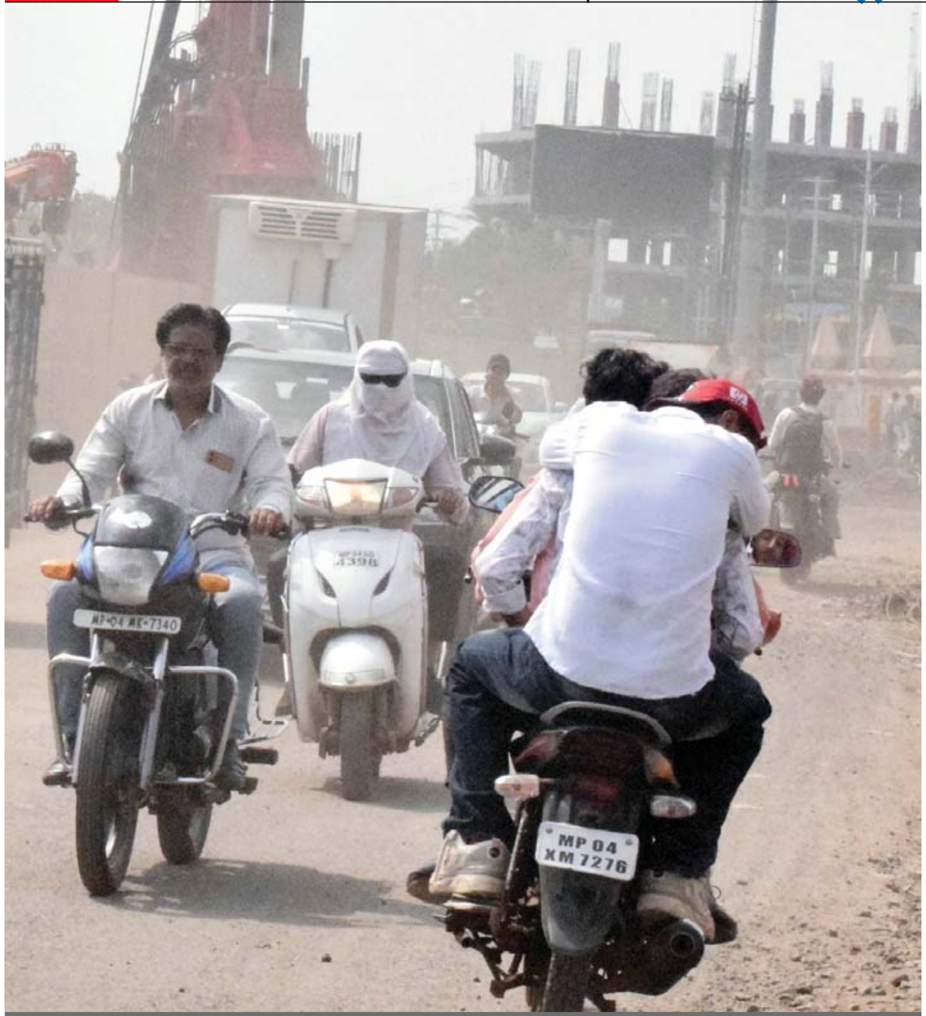

करोंद-भानपुर रोड पर निर्माण कार्य बना मुसीबत धूल के गुबार से वाहन चालक परेशान....

भोपाल। शहर के करोंद-भानपुर रोड पर इन दिनों चल रहा सड़क निर्माण कार्य लोगों के लिए राहत की बजाय परेशानी का कारण बनता जा रहा है। निर्माण के दौरान उड़ रही धूल ने पूरे इलाके को धूलभरा बना दिया है, जिससे रोजाना गुजरने वाले वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से शाम तक इस मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। जैसे ही कोई वाहन गुजरता है, धूल का बड़ा गुबार उठता है, जिससे सामने चल रहे वाहन तक दिखाई देना मुश्किल हो जाता है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है, जिससे धूल और अधिक बढ़ रही है। वहीं दुकानदारों का भी कहना है कि धूल के कारण उनका सामान खराब हो रहा है और ग्राहक भी कम आ रहे हैं। स्वास्थ्य पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और खांसी जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर बनती जा रही है। हालांकि नगर निगम और संबंधित विभाग द्वारा सड़क निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। निर्माण स्थल पर सुरक्षा और धूल नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द नियमित पानी का छिड़काव कराया जाए और निर्माण कार्य को व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। अगर समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

अवैध कॉलोनियों की रोकथाम के लिए कड़े होंगे प्रविधान

कॉलोनाइजर एक्ट में डेवलपर्स के सुझावों के साथ तैयार होगा नया ढांचा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में लंबे समय से चल रही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक कॉलोनाइजर एक्ट बनाने की कवायद अंतिम दौर में पहुंच गई है। वर्तमान एक्ट में जो कमियां हैं, उनमें सुधार के सुझाव डेवलपरों ने दिए हैं। इसे शामिल करते हुए प्रारूप को अंतिम रूप देने 22 अप्रैल को फिर बैठक होगी।

अवैध कालोनियों पर नियंत्रण के प्रविधान कॉलोनाइजर एक्ट का हिस्सा रहेंगे। अव्वल तो प्रयास यही रहेगा कि अवैध कॉलोनी बने ही न और यदि कहीं बन गई तो उसके लिए ऐसे कड़े प्रविधान रहें कि आगे फिर कभी ऐसा न हो। इसके लिए डेवलपर का लाइसेंस तो रद किया ही जाएगा, संबंधित क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। उनकी गोपनीय चरित्रावली में इसे दर्ज किया जाएगा। नगरीय विकास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल होने के

कारण औद्योगिकीकरण तेजी से हो रहा है।

शहर और उससे लगे ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय आवश्यकता की मांग भी बढ़ी है। इसके कारण कालोनियों बन तो रही हैं लेकिन उनका विकास व्यवस्थित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियम का पालन कड़ाई से न होने और बाद में शहरी क्षेत्र में शामिल होने पर अधोसंरचना विकास से जुड़ी कठिनाइयां सामने आ रही हैं। वहीं, अवैध कालोनी भी बड़ी समस्या है। चूंकि, डेवलपर इन्हें बनाकर अलग हो जाते हैं और परेशानियां का सामना रहवासियों को करना पड़ता है इसलिए सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक जैसे प्रविधान वाला कॉलोनाइजर एक्ट लागू करना चाहती है।

प्रक्रिया की जटिलता समाप्त हो

इस बीच, डेवलपरों ने भी अपना पक्ष रखते हुए बताया है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय विकास एवं आवास विभाग इससे सहमत हैं तो उन्हें भी कोई विशेष आपत्ति नहीं है। बस वे यही चाहते हैं कि उनके हितों का भी ध्यान रखा जाए। प्रक्रिया की जटिलता समाप्त हो और सभी अनुमतियां निश्चित समयसीमा में एक स्थान से ही मिल जाएं।

सूत्रों का कहना है कि नगरीय विकास विभाग ने इसे लेकर 22 अप्रैल को बैठक बुलाई है, जिसमें डेवलपरों के पक्ष पर चर्चा कर प्रारूप तैयार किया जाएगा। इसे वरिष्ठ सचिव समिति से हरी झंडी मिलने के बाद कैबिनेट की बैठक में रखा जाएगा ताकि विधानसभा के मानसून सत्र में संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया जा सके।

सर्वर डाउन होने से फेस ऑथेंटिकेशन रुका

12 अभ्यर्थियों को NDA एग्जाम सेंटर से लौटाया परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले ही एंट्री बंद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), नौसेना अकादमी (एनए) और संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) के एग्जाम रविवार को हो रहे है। प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने के लिए फेस ऑथेंटिकेशन, मेटल डिटेक्टर जांच और सख्त प्रवेश नियम लागू किए हैं।

इधर, भोपाल में एनडीए की परीक्षा के लिए शासकीय नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल अरेरा कॉलोनी में परीक्षा केंद्र का गेट सुबह 9.30 बजे बंद कर दिया गया है। ऐसे में अभ्यर्थियों को सेंटर से लौटा दिया गया। इस बार परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर फेस ऑथेंटिकेशन की व्यवस्था की गई है। हालांकि, शासकीय नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल के इंचार्ज ने बताया सर्वर डाउन होने की वजह से फेस ऑथेंटिकेशन नहीं हो सका।

परिजन बोले- किसी ने समस्या नहीं सुनी: सीहोर से अपनी बहन को परीक्षा दिलाने भोपाल आए विवेक शर्मा ने बताया कि वे लगभग 50 किलोमीटर दूर अहमदपुर से आए थे। परीक्षा केंद्र पर एंट्री का समय सुबह 9.30 बजे था, लेकिन वे 9-27 बजे पहुंचे। इसके बावजूद गेट बंद कर दिया गया और उन्हें अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। उन्होंने बताया कि केंद्र के अधिकारियों से कई बार अनुरोध किया गया कि कुछ मिनट की देरी होने के बावजूद अंदर जाने दिया जाए, क्योंकि बाहर 8-10 अन्य छात्र भी खड़े थे। लेकिन अधिकारियों ने साफ मना कर दिया और किसी की बात नहीं सुनी।

विवेक शर्मा ने कहा कि, एडमिट कार्ड पर भी यह स्पष्ट रूप से नहीं लिखा था कि एक-दो मिनट की देरी पर प्रवेश नहीं मिलेगा। कुछ लोगों को अंदर भेजा गया, लेकिन वे भी बिना किसी समाधान के वापस बाहर आ गए। किसी अधिकारी ने उनकी समस्या को ठीक से नहीं सुना।

3 शहरों में 17 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी देंगे परीक्षा: प्रदेश के तीन प्रमुख शहरों में इस परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। भोपाल में 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 5810 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इंदौर में 13 केंद्रों पर 5493 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, जबकि ग्वालियर में 7 केंद्रों पर 6030 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इस तरह तीनों शहरों में कुल मिलाकर 17 हजार से अधिक उम्मीदवार परीक्षा में बैठेंगे।

कस्तूरबा अस्पताल के नवीनीकृत भवन में मिलेगी कई सुविधाएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भेल स्थित कस्तूरबा चिकित्सालय के पुराने भवन का नवीनीकृत करने से मरीजों को कई सुविधाएं मिलेगी। इस नवीनीकृत भवन का उद्घाटन शनिवार को मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक भेल भोपाल ने किया। बता दें कि अस्पताल के नए भवन में संयुक्त शल्य चिकित्सा वार्ड, आईसीयू आकस्मिक निर्गम मार्ग तथा अन्य विभिन्न सुविधाओं का विकास किया गया है, जिससे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में और अधिक सुधार होगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जीएम टीयू सिंह एवं राघवेंद्र शुक्ला समेत प्लांट कमेटी एवं मेडिकल कमेटी के सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। डॉ. पोमिला सचदेवा ने अतिथियों का स्वागत किया।

सीबीएसई 10वीं का रिजल्ट 20 से 27 के बीच आएगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सीबीएसई कक्षा 10 वीं का रिजल्ट 20 से 27 अप्रैल तक जारी करने की तैयारी में है। बोर्ड ने परीक्षा से जुड़े सभी प्रक्रिया कॉपी जांच, मॉडरेशन और वेरिफिकेशन आदि पूर्ण होने जा रहा है। इस बार मध्यप्रदेश समेत देश - विदेश के लाखों छात्रों ने सीबीएसई 10 वीं की परीक्षा में शामिल हुए हैं। बोर्ड ने गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी जैसे मुख्य विषयों में छात्रों के प्रदर्शन का आंकलन परिणाम के करेगा।

बता दें कि उक्त परीक्षा 11 मार्च को ही खत्म हो गई थी, जो पिछले साल के मुकाबले पहले है। चूंकि सीबीएसई ने कक्षा 10 के छात्रों के लिए दूसरी परीक्षा मई में आयोजित की है। इसलिए रिजल्ट जल्दी जारी होने की संभावना है। छात्र अपना रिजल्ट चेक करने के

लिए सीबीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट पर देख सकते हैं। रिजल्ट देखने के लिए रोल नंबर, स्कूल नंबर और एडमिट कार्ड आईडी की जरूरत होगी।

सीबीएसई इस बार अंकसूची में विषयवार अंक, ग्रेड और पास/फेल स्टेटस देगी। जो छात्र किसी एक या अधिक विषय में पास नहीं हो पाते हैं, उनके लिए पूरक परीक्षा का विकल्प रहेगा, वहीं, जो छात्र अपने अंक सुधारना चाहते हैं, वे सुधार के लिए मई में आयोजित दूसरी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

16 अप्रैल से पोर्टल पर नागरिक भर सकेंगे स्व-गणना की जानकारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में 16 अप्रैल से शुरू हो रहे जनगणना के इतिहास में पहली बार डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमेरेशन यानि एसई) की सुविधा आम नागरिकों भी दी जा रही है। इस स्व-गणना का सत्यापन प्रगणक करेगा। हरेक नागरिक को इसमें जानकारी सत्यतापूर्वक देनी होगी। गलत जानकारी पर नागरिक को 3 साल की सजा का प्रावधान किया गया है। जनगणना आरंभ होने से पहले जिला प्रशासन ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से लाल रंग से मकानों पर क्रमांक डालकर चिन्हित करने का काम पूरा कर लिया है।

जानकारी के अनुसार स्व-गणना इस जनगणना कार्य को सरल बनाएगी। आंकड़ों की सटीकता भी सुनिश्चित करता है। स्व-गणना के बावजूद प्रगणक घर आकर डेटा का सत्यापन अनिवार्य रूप से करेगा। इससे नागरिकों के समय की बचत होगी और प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की जटिलता का सामना नहीं करना पड़ेगा। जिला प्रशासन ने कहा कि नागरिक इसके लिए 33 सवालों का आसान जानकारी सत्यतापूर्वक देंगे। जानकारी गलत पाई, तो नागरिक पर कार्रवाई की जा सकती है।

जनगणना के दौरान 33 सवालों की जानकारी नागरिकों को पोर्टल पर भरकर देनी होगी। इन सवालों में आवास, पेयजल, शौचालय, रसोई के लिए उपलब्ध ईंधन, बिजली, मोबाइल, इंटरनेट, वाहन जैसी अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित सवाल पूछे जाएंगे। नागरिकों के सक्रिय मोबाइल नंबर का उपयोग केवल जनगणना संबंधी संचार के लिए ही किया जाएगा। नागरिकों से उपलब्ध जानकारी पूरी तरह से सुरक्षित और गोपनीय रखी जाएगी। 16 अप्रैल से पोर्टल पर नागरिकों को ओटीपी और मोबाइल नंबर लॉगिन से सुरक्षित और सरल पहुंच मिलेगी, जिससे वो अपने आप ही समस्त जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध इंटरफेस पर दर्ज कर सकेंगे। 30 अप्रैल तक की अवधि में दर्ज जानकारी देने के बाद उसे सबमिट करने पर मोबाइल नंबर पर एक स्वगणना के लिए आईडी प्राप्त होगी। इस आईडी को सुरक्षित रखना होगा।

एक मई के उपरांत घर प्रगणक सर्वे के लिए पहुंचेगा। तो इस आईडी को प्रगणक को उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके बाद प्रगणक स्वगणना की जानकारी की पुष्टि कर उसे फ्रीज कर लेगा।

दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर

रोगों से मुक्ति के गुर सीखने के लिए आए देशभर से साधक

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केंद्र द्वारा आयोजित रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रृंखला का शुभारंभ हुआ। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने बताया कि इस दस दिवसीय शिविर का उद्देश्य शरीर की शुद्धि और स्वास्थ्य रक्षा है। शिविर में देश के विभिन्न हिस्सों से आए साधक प्राकृतिक चिकित्सा, योग, आयुर्वेद, फिजियोथेरेपी और एक्यूप्रेशर जैसी विधाओं से लाभान्वित होंगे।

डॉ. टेवानी ने अपने व्याख्यान में पंचतत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश द्वारा उपचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दिनचर्या में बदलाव और अधपका आहार अनिवार्य है। हमारा आहार ही हमारी औषधि है के सिद्धांत को समझाते हुए उन्होंने बताया कि पके हुए भोजन से हम जीवित तो रह सकते हैं, पर पूर्णतः स्वस्थ नहीं।

शिविर में शारीरिक और मानसिक शुद्धि के साथ-साथ मोबाइल-लैपटॉप से दूर रहकर डिजिटल डिटॉक्स कराया जाएगा। साधक सुश्री धरती बेन के मार्गदर्शन में 5 दिनों तक जैविक अंगूर पर कल्पाहार करेंगे। आरोग्य केंद्र ने हेल्थ प्रमोटर सर्टिफिकेट कोर्स की भी शुरुआत की है, जिससे साधक स्वयं और अपने परिवार को स्वस्थ रखने की कला सीख सकेंगे।

मेट्रो एंकर — एम्स की नैनो तकनीक ने दिखाई नई राह

नया शोध : लाल रोशनी से खत्म होंगे कैंसर सेल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कैंसर इलाज के क्षेत्र में एम्स भोपाल के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के बायोकैमिस्ट्री विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. सुखेस मुखर्जी और उनकी टीम ने ऐसी नैनो तकनीक विकसित की है, जो ब्रेस्ट और लिवर कैंसर के इलाज में नई उम्मीद जगा रही है। इस तकनीक में बेहद सूक्ष्म नैनोकण शरीर में जाकर खुद ट्यूमर तक पहुंचते हैं और केवल संकेत मिलने पर ही सक्रिय होते हैं।

इस शोध की खास बात यह है कि नैनोकण सामान्य स्थिति में निष्क्रिय रहते हैं, लेकिन जैसे ही उन पर लाल रोशनी डाली जाती है, वे सक्रिय होकर कैंसर कोशिकाओं पर हमला शुरू कर देते हैं। अंधेरा होते ही ये फिर निष्क्रिय हो जाते हैं। इस नियंत्रित प्रक्रिया के कारण यह तकनीक पारंपरिक इलाज की तुलना में अधिक सुरक्षित मानी जा रही है।

इलाज में बड़ा बदलाव संभवः इस नई तकनीक से कीमोथेरेपी और सर्जरी की जरूरत कम हो सकती है। मरीजों को कम दर्द होगा और रिकवरी भी तेजी से संभव होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बड़े स्तर पर यह तकनीक सफल होती है, तो कैंसर उपचार का तरीका पूरी तरह बदल सकता है। लाल रोशनी शरीर के अंदर गहराई तक पहुंचती है। जैसे ही यह नैनोकण पर पड़ती है, वे सिंगलेट ऑक्सीजन और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे तत्व छोड़ते हैं। ये दोनों मिलकर कैंसर कोशिकाओं को तेजी से नष्ट करते हैं। इसे 'डुअल अटैक' तकनीक कहा जा रहा है।

कम होंगे साइड इफेक्ट्स

इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह केवल लक्ष्य स्थान पर ही काम करती है। डॉक्टर पहले सुनिश्चित करते हैं कि नैनोकण ट्यूमर तक पहुंच चुके हैं, इसके बाद ही लाल रोशनी का उपयोग किया जाता है। इससे शरीर के स्वस्थ हिस्सों को नुकसान नहीं पहुंचता और साइड इफेक्ट्स काफी कम हो जाते हैं।

जानिए क्या हैं नैनोकण

नैनोकण बेहद छोटे कण होते हैं, जो इंसानी बाल से हजारों गुना छोटे होते हैं। इन्हें इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वे शरीर के अंदर सीधे प्रभावित हिस्से तक पहुंच सकें। यही कारण है कि इन्हें भविष्य की 'टारगेटेड थेरेपी' के रूप में देखा जा रहा है। यह शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल डॉल्टन ट्रांजैक्शंस में प्रकाशित हुआ है, जिससे इसकी विश्वसनीयता और बढ़ गई है। कुल मिलाकर, यह तकनीक कैंसर इलाज में एक सुरक्षित, सटीक और प्रभावी विकल्प के रूप में उभर सकती है।

एसएचआईएम में जीरो कैंपस ड्राइव, 14.56 लाख रुपए तक का पैकेज

संतनगर. संतहिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में जारो एजुकेशन द्वारा एमबीए 2024-2026 और इंटीग्रेटेड एमबीए 2021-2026 बैच के लिए कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें मैनेजमेंट ट्रेनी की प्रोफाइल के लिए 14.56 लाख का पैकेज ऑफर किया, जिसमें पुणे, मुंबई, बेंगलुरु, गुरुग्राम, लखनऊ, चंडीगढ़, जयपुर, कोलकाता, कोच्चि, अहमदाबाद और इंदौर जैसे स्थान शामिल थे। प्रि-प्लेसमेंट टॉक में एचआर लीडरशिप टीम ने करियर विकास और राष्ट्रीय स्तर के अनुभव के बारे में व्यापक जानकारी साझा की। मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी और डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने बधाई दी है।

अंबेडकर की जयंती पर होगा, 200 प्रतिभाओं को सम्मान

संतनगर. संस्कार वेलफेयर सोसायटी द्वारा 14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर के 135वें जन्म दिवस के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी हलालपुर स्थित सनसिटी गार्डन स्थित हाल में समाज की करीब 200 प्रतिभाओं को सम्मानित करने जा रही है। सोसायटी के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सिकरवार ने बताया कि समाज के उच्च शिक्षित, खेल और संगीत, नाट्य मंचन में अपना उत्कृष्ट स्थान रखने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, विशिष्ट अतिथि नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित रहेंगे।

विकास के सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही प्रदेश सरकार, सीएम बोले

मेला-मेल-मिलाप का उत्सव, छोटे व्यापारियों को मिल रही पहचान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर विकास के सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ-सबका विकास के सिद्धांत पर जनकल्याणकारी कार्यों की गति बढ़ाई है। मध्यप्रदेश में भी आम जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

तात्या टोपे नगर स्थित दशहरा मैदान में महानगर मेला उत्सव समिति के भारतीय नव वर्ष के अवसर आयोजित मेले को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि मेलों से जहां मेल- मिलाप बढ़ता है वहीं लघु व्यवसायियों और उपभोक्ताओं को बाजार भी उपलब्ध होता है। नागरिकों को उनकी आवश्यकता की वस्तुएं एक स्थान पर उपलब्ध हो जाती हैं और बच्चों सहित सभी को झूलों और मनोरंजन के साधनों का आनंद भी मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी भोपाल में जहां शीतकाल में इस तरह के मेले आयोजित होते हैं। वहीं ग्रीष्मकाल में भी ऐसे आयोजन का विशेष महत्व है इसके लिए आयोजन समिति अभिनंदन की पात्र है। भारतीय नव वर्ष अपने साथ अनेक त्योहार लेकर आता है। यह सिर्फ ऋतु परिवर्तन का अवसर नहीं है बल्कि नए अनाज के आने और जीवन में उमंग तथा उल्लास के आगमन का भी अवसर होता है।

श्रीअन्न और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन आवश्यक

सीएम ने कहा कि मेलों में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री व्यवस्था भी की जानी चाहिए। इससे स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीअन्न (मोटा अनाज) के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया है। मध्यप्रदेश सरकार ने श्रीअन्न के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिये रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना भी लागू की है। उन्होंने ने कहा कि अयोध्या और मथुरा के साथ ही मध्यप्रदेश के चित्रकूट, ओरछा, उज्जैन और अन्य कई स्थान भगवान श्री राम और श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े हैं। मध्यप्रदेश में भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण ने एक लम्बा समय व्यतीत किया। ऐसे पवित्र स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। रामनवमी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी और अन्य त्योहारों पर नागरिकों की भागीदारी के साथ आयोजन हो रहे हैं। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर गीता जयंती पर जन-उत्साह देखने को मिला था।

बिजली उपभोक्ताओं को राहत का दावा

भोपाल सहित 16 जिलों में 9 लाख स्मार्ट मीटर लगे, 20 फीसदी तक कम हुआ बिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने राजधानी सहित 16 जिलों में स्मार्ट मीटरिंग अभियान को तेज कर दिया है। कंपनी ने अब तक नौ लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए हैं, जिससे दावा किया जा रहा है कि उपभोक्ताओं का बिल 20 प्रतिशत तक सस्ता आ रहा है। भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर व चंबल संभाग के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को आधुनिक और पारदर्शी बिजली सेवाओं से जोड़ने के लिए यह कदम उठाया गया है।

कंपनी ने न केवल तकनीक में सुधार किया है, बल्कि उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए टाइम ऑफ डे (टीओडी) टैरिफ लागू किया है। इसके तहत सोलर आवर यानी सुबह नौ से शाम पांच बजे तक बिजली इस्तेमाल करने पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यह छूट इस अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है।

राजधानी में लगे 4 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर

बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया कि उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट मीटर की स्थापना का कार्य तीव्रता से जारी है। भोपाल में अब तक चार लाख 84 हजार से अधिक परिसरों में स्मार्ट मीटर सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों यथा अशोकनगर, बैतूल, भिण्ड, भोपाल, ग्वालियर, दतिया, गुना, हरदा, मुरैना, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, सीहोर, श्योपुर, शिवपुरी एवं विदिशा जिले में अब तक नौ लाख 18 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटरिंग का यह कार्य आरडीएसएस योजना के तहत किया जा रहा है। कंपनी कार्यक्षेत्र में कुल 26 लाख 79 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बिजली वितरण प्रणाली को और अधिक कुशल, सटीक और पारदर्शी बनाना है।

प्रदेश के महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में मनेगा नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा

भोपाल। प्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में 'नारी सशक्तिकरण' एवं 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' का आयोजन 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक किया जाएगा। विशेष व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' में निहित प्रावधानों पर व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही छात्राओं को उनके कानूनी अधिकार, साइबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता तथा वित्तीय साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी। गतिविधियों का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में क्षेत्र की महिला जनप्रतिनिधियों, प्रतिष्ठित एवं प्रतिभाशाली महिलाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली उद्यमी महिलाओं को आमंत्रित कर उनके अनुभव और विचार साझा किए जाएंगे।

समर्थन मूल्य पर 30 हजार 619 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 7103 किसानों से 30 हजार 619 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। गेहूं का उपार्जन इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 9 अप्रैल से शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि शेष संभागों में 15 अप्रैल से गेहूं का उपार्जन शुरू किया जायेगा। अभी तक एक लाख 75 हजार 475 किसानों द्वारा 7 लाख 51 हजार 595 मीट्रिक टन गेहूँ के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं। गेहूँ खरीदी के लिये 3171 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं।

गैस के दाम में 25 प्रतिशत की कमी का दावा

पाइप लाइन बिछी, पीएनजी से जुड़ेंगे मप्र के 14 जिलों के 14 लाख घर

रतलाम, दोपहर मेट्रो

जबलपुर। जबलपुर समेत 14 जिलों में पाइपलाइन से नेचुरल गैस की सप्लाई देने की तैयारी हो चुकी है। गेल इंडिया ने नागपुर से जबलपुर तक पीएनजी गैस की पाइपलाइन पहुंच गई है। इसकी टेस्टिंग भी हो गई है। शहर के भीतर गैस पाइप बिछाने का काम होना बाकी है जिसके बाद घर-घर गैस पाइप के जरिए पहुंचेगी।

हालांकि इस काम में अभी एक साल का वक्त लगेगा। यह काम मेघा इन्फ्रास्टक्चर को मिला हुआ है। लाइन बिछने के बाद घरों में गैस पाइप के जरिए आएगी और लोगों को सिलेंडर के लिए लाइन नहीं लगानी पड़ेगा। फिलहाल इस पाइप लाइन से नागपुर के जेएसडब्ल्यू प्लांट में गैस सप्लाई शुरू हो रही है। जबलपुर के पास कोसमघाट

में गैस प्लांट बनकर तैयार हो चुका है।

गैस सिलिंडर की किल्लत के बीच बढ़ी मांग- पश्चिम एशिया में मचे रहे महासंग्राम की वजह से रसोई गैस की सप्लाई चैन गड़बड़ा गई है। लोगों को पर्याप्त मात्रा में एलपीजी नहीं मिल पा रही है। गैस एजेंसी के बाहर गैस सिलिंडर के लिए कतारें लग रही हैं। ऐसे में पीएनजी लोगों के लिए बेहद सुविधाजनक होगी। मुंबई से ओडिशा के झारसुगुड़ा तक गैस की पाइपलाइन बिछाई जा रही है।

ऐसा है प्रोजेक्ट

राष्ट्रीय गैस ग्रिड और पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान के तहत गैस पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है। इस परियोजना के तीन चरण में किया गया। इसमें मुंबई से नागपुर 698 किमी, नागपुर से ओडिशा के झारसुगुड़ा खंड में 692 किमी व नागपुर-जबलपुर खंड में 317 किमी लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। 7,844 करोड़ रुपये की लागत से यह काम हुआ है। 11 सौ करोड़ की लागत से जबलपुर से नागपुर के बीच 317 किमी लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। जबलपुर के अलावा सिवनी, छिंदवाड़ा सहित 14 जिलों के उपभोक्ताओं को इसका फायदा मिलेगा। घर-घर गैस पहुंचाने के लिए मेघा इंन्फ्रा को काम मिला है लेकिन काम बिलंब से प्रारंभ होने की वजह से इसमें समय लगेगा।

भोपाल, रविवार, 12 अप्रैल 2026

फिटनेस फंडा

5 साल के बच्चे या 60 के बुजुर्ग

बच्चों से लेकर बुजुर्गों को हर दिन पांच एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। इन्हें शुरूआती स्टेज में भी आराम से किया जा सकता है। ये एक्सरसाइज अपर बॉडी, कोर मसल्स, लोअर बॉडी, स्टेमिना, कोर स्ट्रेंथ, बैलेंस को सुधारने में मदद करती हैं। इस वजह से इन्हें पूरे शरीर को स्वस्थ व मजबूत बनाने वाला बताया जाता है।

लंजेस-प्लैंक वर्कआउट के साथ तीन एक्सरसाइज रखेंगी सुपर फिट

व्यायाम हर उम्र के लिए आवश्यक होता है। यहां तक कि बच्चा पैदा होने के कुछ दिन बाद ही उसकी हल्की मालिश और स्ट्रेचिंग शुरू कर दी जाती है। इसलिए चाहे 5 साल का बच्चा हो या फिर 60 साल का बुजुर्ग, हर किसी को पांच एक्सरसाइज रोजाना करनी चाहिए। स्क्वैट्स, लंजेस, पुश अप्स, प्लैंक और कार्डियो पूरे शरीर को मजबूत बनाती हैं। एक्सरसाइज करने से मसल्स मजबूत होती हैं और वजन मैनेज रहता है। ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, मूड सुधरता है, फोकस और ब्रेन फंक्शन बढ़ता है, एनर्जी बूस्ट होती है। टाइम के कॉन्टेक्स्ट में यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन कहता है कि वयस्कों और बुजुर्गों को एक हफ्ते में करीब 150 मिनट की मॉडरेट इंटेंसिटी वाली फिजिकल एक्टिविटी करनी चाहिए। आप इस टारगेट को 30-30 मिनट के 5 दिन में बांट सकते हैं। बच्चों के लिए हर दिन 60 मिनट की फिजिकल एक्टिविटी करने की सलाह दी गई है। जिसे एक सामान्य रूप से सक्रिय बच्चा आराम से पूरा कर लेता है। इसके अंदर उसका भागना, चलना, कूदना, खेलना, सबकुछ शामिल हो जाता है।

1. स्क्वैट्स: स्क्वैट्स एक्सरसाइज लोअर बॉडी की पावर, स्टेबिलिटी और बैलेंस बढ़ाती है। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, इसे करते वक्त आपको अपनी नजर को सामने की तरफ रखना है, चेस्ट बाहर की तरफ रहेगी, पीठ सीधी रहेगी और पेट की मसल्स को एंगेज रखना है। सबसे पहले दोनों पैरों को कंधों के बराबर खोलते हुए सीधा खड़े हो जाएं। अपने पंजों को हल्का-सा बाहर की तरफ रखें। अब कूल्हों से हल्का-सा आगे झुकते हुए उन्हें पीछे की तरफ ले जाएं। धीरे-धीरे घुटनों को मोड़ते हुए शरीर को नीचे की तरफ लाएं। इस दौरान घुटनों के बीच गैप बनाए रखें। कूल्हों को तबतक नीचे लाएं, जबतक कि आपकी जांघ जमीन के समानांतर ना आ जाए। घुटनों को पंजों की सीध में रखें और शारीरिक भार एड़ियों पर रखें। लोअर बैक को स्ट्रेन से बचाने के लिए स्पाइन को न्यूट्रल रखें। इस पोजिशन को 3 से 5 सेकंड होल्ड करें। अब एड़ियों से जोर लगाते हुए वापस सीधा खड़े हो जाएं। इस प्रक्रिया को 10 से 15 रैप्स तक दोहराएं।

2. लंजेस : लंजेस एक्सरसाइज शरीर के बैलेंस, स्टेबिलिटी और फ्लेक्सिबिलिटी को बेहतर बनाती है। क्लीवलैंड क्लीनिक ने लंजेस की सही फॉर्म बताई है। पैरों को कूल्हों के बराबर खोलते हुए खड़े हो जाएं और हथेलियों को जोड़कर छाती के सामने होल्ड करें। पीठ को सीधा रखते हुए दाएं पैर से आगे की तरफ कदम रखें। कूल्हों को तब तक नीचे लाएं, जबतक कि आपके आगे वाले दाएं घुटने का कोण 90 डिग्री पर ना पहुंच जाए और पीठ को 45 डिग्री के कोण पर रखें। आपके दाएं पैर की पिंडली सीधी होनी चाहिए और घुटना आगे की तरफ चौथी या पांचवी उंगली की सीध में होना चाहिए। इस पोजिशन में 1 से 3 सेकंड के बीच रहें। धीरे-धीरे खड़े होकर शुरुआती पोजिशन में आ जाएं।

3. पुश-अप्स: अपर बॉडी की स्ट्रेंथ बढ़ाने के लिए पुश-अप्स एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक इसे करने का सही तरीका निम्नलिखित है। जमीन पर घुटने और हथेली के बल झुक जाएं। हथेलियों को अपने सामने की तरफ जमीन पर रखें और उंगलियों को आगे की तरफ फैलाएं। हथेलियों को कंधों की चौड़ाई के बराबर खोलें और कंधों की सीध में ठीक नीचे रखें। अब कोहनियों को खोलते हुए और घुटनों को ऊपर उठाते हुए पैरों को पीछे की तरफ फैलाकर पंजों को आपस में मिलाएं। इस वक्त आपकी गर्दन, पीठ और कूल्हे एक सीध में होने चाहिए और शरीर का पूरा भार हथेलियों व पंजों पर रहे। इसके बाद कोहनियों को शरीर के साथ रखते हुए मोड़ें और अपर बॉडी को नीचे की तरफ लाएं। जब आपकी चेस्ट और ठुड्डी जमीन पर छूने लगे तो 1 सेकंड रुकें और फिर हथेलियों के दम पर शरीर को वापस ऊपर की तरफ उठाएं। बॉडी को ऊपर ले जाते हुए सारी टेंशन कोर मसल्स और ग्लूट्स पर होनी चाहिए। इस प्रक्रिया को 10 से 12 बार दोहराएं और ऐसे 3

4. प्लैंक: प्लैंक आपकी कोर स्टेबिलिटी को बढ़ाने के लिए बहुत फायदेमंद है। सबसे पहले जमीन पर पेट के बल लेट जाएं। अब दोनों कोहनियों को अपनी-अपनी तरफ के कंधों के ठीक नीचे जमीन पर रखें। फोरआर्म्स को आगे की तरफ फैलाएं। पंजों और कोहनियों पर शरीर का पूरा भार संभालते हुए घुटने और पेल्विस को ऊपर उठाएं। नजर सामने की तरफ रखें और गर्दन, पीठ व कूल्हे एक सीध में हों। अब अपने पेट, पेल्विस और कूल्हे की मसल्स को टाइट करें। इस पोजिशन में जितना हो सके, बॉडी को होल्ड करके रखें।

5. कार्डियो: कार्डियो एक्सरसाइज दिल के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। यह ब्लड सर्कुलेशन, स्टेमिना और एंड्यूरेंस बढ़ाती हैं। रनिंग, स्विमिंग, जॉगिंग, डांस और जंपिंग जैक्स जैसी कई सारी एक्सरसाइज कार्डियो वर्कआउट के अंदर आती हैं। यहां पर जंपिंग जैक्स करने का सही तरीका जानते हैं। हेल्थ वेलबीइंग के मुताबिक, सबसे पहले पैरों को आपस में मिलाकर खड़े हो जाएं। घुटनों को थोड़ा-सा मोड़े रखें और हाथों को अपनी-अपनी तरफ की जांघ से सटाकर रखें। अब पैरों को चौड़ा करते हुए कूदें। इस दौरान दोनों हाथों को सिर के ऊपर सीधा ले जाकर हथेलियों से ताली बजाएं। इस प्रक्रिया को रिदम के साथ दोहराते रहें।

जीवन-ज्योति

हमें शांति के साथ दिमाग का ट्रैफिक कंट्रोल करना होगा

सिस्टर शिवानी
प्रेरक वक्ता, आध्यात्मिक गुरु

हम सब कई बार महसूस करते हैं कि हमारा मन संयम में नहीं है। जो सोचना चाहिए, जितनी देर सोचना चाहिए, जैसा सोचना चाहिए और जैसा सोचना नहीं चाहिए, हमें लगता है कि ये सब हमारे अनुसार नहीं हो रहा है। तब हम अपने मन के मालिक नहीं, खुद को मन का गुलाम अनुभव करते हैं। साथ-साथ यह भी सुनते या कहते हैं- मन जीते, जग जीते। जो अपना मन जीत लेता है, वह अपने जग यानी अपने शरीर, अपने रिश्ते, अपने कार्य-व्यवहार, अपने पर्यावरण- इन सब पर जीत पा सकता है। लेकिन 'मन हारे, तो जग हारे' हो जाएगा।

सबसे पहली बात यह कि मेरा मन तो मेरे कंट्रोल में नहीं है- ऐसा कभी भी नहीं कहना चाहिए। इस भाषा को, इस संकल्प को बदलने की जरूरत है। मेरा मन मेरा अपना है, और मेरी अपनी चीज मेरे अनुसार चलती है। मैं जो सोचना चाहूं, जितनी देर सोचना चाहूं, जब अपने संकल्प को परिवर्तन करना चाहूं, सब कुछ मेरी मर्जी से होता है। भले अभी न भी हो रहा हो लेकिन संकल्प शुरू करना है, क्योंकि जैसा हम सोचते हैं, वैसा होता जाता है। हमारे संकल्प ही तो सिद्ध होते हैं। लेकिन जब हमने बार-बार कहा, मेरा मन मेरा कहना नहीं मानता, मेरा मन मेरे अनुसार नहीं है, किसी ने कहा मन तो बेलगाम घोड़ा है, भागता ही रहता है। हमने भी सुन लिया और हमने भी कहा, मेरा मन तो बेलगाम घोड़ा है। हमने इतना कहा और वैसा होने लग गया।थोड़ा सा परिवर्तन अपनी सोच में और अपनी भाषा में। मेरा मन मेरा मित्र है। जो सही है, यह वही सोचता है और उतनी देर ही सोचता है, जितना आवश्यक है। सारे दिन हम सब चीजों का ध्यान रखते हैं। अपने फोन को चार्ज करते हैं और थोड़ी-थोड़ी देर बाद फिर चार्ज करते रहते हैं। अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम कुछ-कुछ देर बाद पानी पीते हैं, भोजन करते हैं। हम अपने घर को भी बीच-बीच में उठकर थोड़ा ठीक-ठाक कर देते हैं। लेकिन मन की तरफ तो ध्यान ही नहीं देते। जिस चीज की तरफ हम ध्यान नहीं देंगे, फिर वो हमारे अनुसार कैसे चलेगी?

कड़वी यादों को भूलना सीखें: सबसे पहले सुबह एक संकल्प करें। जैसे मैंने आज के लिए एक संकल्प लिया- मैं शांत आत्मा हूं, शांति मेरा संस्कार है, शांति मेरा स्वभाव है, शांति मेरा व्यक्तित्व है, मैं शांतिमय हूं। कुछ क्षणों के लिए सुबह इस संकल्प का मनन करें। चिंतन करें, शांति चाहिए या नहीं? मुझे तो पूरे दिन में जो भी परिस्थिति आएगी, जिसके साथ मुझे जो व्यवहार करना है, सबमें इस शांति के संस्कार का उपयोग करना है। इसके विपरीत चिड़चिड़ापन, गुस्सा, नाराजगी का उपयोग नहीं करना है। मेरे पास है तो दोनों। हमारे पास बहुत से संस्कार हैं। कौन से समय में कौन सी परिस्थिति में कौन संस्कार इस्तेमाल करना है, वही हमारी स्थिति, हमारा अनुभव, हमारा व्यक्तित्व बन जाएगा।

सोचें , हमने कैसा व्यवहार किया: सारा दिन विजुअलाइजेशन कीजिए कि हमने आज किन परिस्थितियों में किसके साथ कैसा व्यवहार किया। उनका व्यवहार तो वैसा ही रहेगा, लेकिन हम शांति के साथ कैसे व्यवहार करेंगे। इन सबको सुबह संकल्प लेते समय देखना है। मन सोचता है, बुद्धि के नेत्र से हम देखते हैं। वह आत्मा पर सुबह-सुबह ही रिकॉर्ड हो जाता है। और जो रिकॉर्डिंग सुबह-सुबह हो जाती है, सारा दिन वही प्ले होती है। दिन में हर एक घंटे के लिए रुकें और सोचें। इसे कहते हैं ट्रैफिक कंट्रोल ऑफ माइंड।

-लेखक के बारे में...

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 12 अप्रैल से 18 अप्रैल तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभ : राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुन: राशि के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्क : राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंह: राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या: राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला: राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : राशि के जातक आगामी सप्ताह में वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।

धनु : राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो की सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन: राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

दिया कबीरा रोय

नहीं गयी भैंस पानी में...

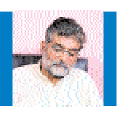

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

मेरा मानना है कि भैंस के साथ ऐतिहासिक अन्याय हुआ है।गौमाता के लगभग समकक्ष होने के बाद भी भैंस को वह सम्मान नहीं मिला जिसकी वह हकदार थी।भैंस को लेकर भैंस के आगे बीन बजाना,गयी भैंस पानी में जैसे व्यंग्यात्मक मुहावरे गढ़े गये।गयी भैंस पानी में मतलब सारा मामला खत्म।सबकुछ नष्ट हो गया।आगे कोई गुंजाइश नहीं बची।जिन लोगों ने ये नकारात्मक मुहावरे गढ़े उनसे मुझे शिकायत है।

मेरे जैसे जिन जिन भी लोगों ने भैंस को पानी में जाते हुए वाकई देखा है वे अलग ही राय रखते हैं।वह अत्यंत आल्हादकारी क्षण होता है जब भैंस पानी में जाती है।मैं इस मामले में सौभाग्यशाली हूं कि मैं भैंस के पानी में जाने के दृश्य का अनगिनत बार साक्षी रहा हूं।वैसे तो सच्चाई यह है कि भैंस पानी में जाती नहीं है।यह शब्दावली ग़लत है।यह अभिव्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति की है जो मौके पर मौजूद नहीं रहा।घर बैठे बैठे ही रिपोर्ट बनाकर सबमिट कर दी।दरअसल भैंस पानी में जाती नहीं है,पानी में सरक जाती है,पानी में समा जाती है,पानी में लीन हो जाती है।भैंस हल्ला गुल्ला नहीं करती,शोरगुल नहीं मचाती,चुपचाप सरक जाती है।वह इतनी खामोशी से सरकती है कि पानी में एक लहर भी नहीं उठने देती।बहुत विरले सजग लोग ही भैंस का पानी में सरकना देख पाते हैं।नहीं तो भैंस कब सरक गयी पता ही नहीं चलता।एक क्षण पहले सामने खड़ी रौंथा रही थी और आपकी ज़रा सी नजर चूकी और अब उसका सर पानी में नजर आ रहा है।आपके बीच से वह कब खिसक गयी वह आपको अहसास ही नहीं होने देती।यमराज जी महाराज ने इतने सारे पशुओं के बीच में से अपना वाहन भैंसें को ही क्यों चुना?यह अकारण नहीं है।वे भी इसी तरह निशब्द बिना किसी हो हल्ला के उठा ले जाते हैं।बाजू वाले को भी पता नहीं चलता कि अमुक जी कब चले गये।भैंस जब पानी में होती है तब उसके चेहरे के भाव बताते हैं कि जिसे शास्त्रों में परमानंद कहा गया है वह कैसा होता होगा? पानी में घुसी भैंस परम संतुष्टि का मूर्तिमान रूप है।अब कछू न चाहिए मोरे।दीनदयाल अनुग्रह तोरे।जो कुछ नास्तिक क़िस्म के लोग पूछते हैं कि भजन करने से क्या हो जायेगा?मेरी सलाह है कि उन्हें पानी में तैरती भैंस दिखाई जानी चाहिए।तब उन्हें समझ में आयेगा कि भजन करने वालों को क्या मिल जाता है?आखिर वह कौन सी चीज़ है जिसे कबीर कहते हैं-गूंगे केरी शर्करा खाय और मुसकाय।मैं भी आपको सुनाने की कोशिश जरूर कर रहा हूं पर वाकई में यह बात सुनाने की है ही नहीं।यह तो खुद प्रत्यक्ष देखने और अनुभव करने की बात है।कहासुनी की है नहीं,आंखन देखी बात।भैंस पानी में उसी अंदाज में समाती है जैसे जीव का ब्रह्म में लीन हो जाना,आत्मा का परमात्मा से मिल जाना।और पानी भी भैंस को उसी तरह स्वीकार करता है जैसे वह पानी का ही बिछुड़ा हुआ हिस्सा हो।पानी में तैरती भैंस लगती ही नहीं कि वह विजातीय है।बल्कि भैंस न तैरे तो पानी फीका फीका सा लगता है।भोपाल का तालाब बहुत सुंदर है पर वर्षों तक मुझे उसे तालाब कहने में हिचक होती रही क्योंकि उसमें भैंसें नहीं दिखती थीं।दरअसल हमारे बुंदेलखंड में मैंने जहां जहां तालाब देखे वहां वहां भैंसें देखीं।सहअस्तित्व देखा।भैंसों और इंसानों को साथ साथ तैरते देखा।दूर से देखने पर समझ में ही नहीं आता था कि ये जो काला काला सा दिख रहा है वह किसी इंसान की मुंडी है या किसी भैंस की।भोपाल के तालाब में भैंसें नहीं दिखीं तो मेरा मन उसे तालाब मानने तैयार नहीं होता था।भैंस का तैरना भी अदभुत है।समुद्र में तैरते हिमखंड की तरह भैंस का केवल सर पानी के ऊपर दिखता है।उसकी दीर्घ काया पानी के आगोश में छुपी होती है।भैंस हाथ पांव नहीं चलाती है न किसी तरह की कोई शारीरिक हलचल करती है फिर भी घंटों तैरती रहती है।भैंस से बड़ा तैराकी का कोई कोच नहीं हो सकता।भैंस के लिए तैरना उतना ही जरूरी है जितना हवा,पानी और भोजन।वैज्ञानिक बताते हैं कि जीवन की शुरुआत पानी से ही हुई।विकासक्रम ऐसा है कि सबसे पहले जलचर बने,फिर उभयचर,फिर थलचर और आखिर में गगनचर।बाकी जीव थलचर होने के बाद जल से दूर हो गये।भैंस अपने उदगम को नहीं भूली।वह दिन में कम से कम एक बार अपने उदगम की ओर जरूर जाती है।यही तो भक्ति है।अपने उदगम को न भूलना।भैंस परमभक्त है।भैंस मातृभक्त है।भैंस ही है जो मातृभूमि को नहीं भूली।भैंस ऐसी थलचर है जो जलप्रेम में जलचरों को भी टक्कर देती है।भैंस पानी में तैरती नहीं है वह पानी ही हो जाती है।कभी कभी मैं अपने आपको ऐसी भैंस की तरह देखता हूं जो पानी में नहीं जा पा रही है। मैं सोचता हूं,मेरी भी भैंस पानी में चली जाये तो ये सारा रट्टा खत्म हो।

यूजर्स अलर्ट

आधार को ना छोड़ें लावारिस, दुरूपयोग रोकने के लिए डिएक्टिवेट करें

क्या आपने किसी ऐसे व्यक्ति का आधार कार्ड डीएक्टिवेट कराया है, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। अगर नहीं तो जल्द करा लें। आधार कार्ड जारी करने वाली सरकारी संस्था ने अपने एक पोस्ट में बताया है कि आधार के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए अपने मृत परिजन के आधार को डीएक्टिवेट कराना जरूरी है। इसके लिए आप myaadhaar पोर्टल पर जाकर रिपोर्ट कर सकते हैं।

आधार कार्ड जारी करने वाली सरकारी संस्था UIDAI ने अपने एक्स पोस्ट में भारतीयों के लिए जरूरी जानकारी शेयर की है। अक्सर लोगों के घरों में जब किसी बुजुर्ग की मृत्यु हो जाती है तो वे उनके जरूरी दस्तावेजों को डीएक्टिवेट कराना भूल जाते हैं और ऐसा करके वे मुसीबत में फंस सकते हैं। खासतौर पर आधार कार्ड। आज के समय में भारतीयों के लिए आधार कार्ड बहुत जरूरी दस्तावेज है। अगर यह गलत हाथों में पड़ जाए तो नुकसान भी हो सकता है। इस कारण UIDAI ने एक्स पर पोस्ट करके लोगों को इस बारे में जागरूक किया है। साथ ही, यह भी बताया है कि माई आधार पोर्टल पर जाकर आधार कार्ड डीएक्टिव कराने के लिए अप्लाई करा सकते हैं।

UIDAI ने दी जानकारी: UIDAI ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से ट्वीट करके लिखा है कि परिवार के उस सदस्य के आधार के डीएक्टिवेशन की रिपोर्ट करें, जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनके आधार का गलत इस्तेमाल होने से रोकने में मदद मिल सकती है। UIDAI ने यह भी बताया है कि इसके लिए आप myAadhaar पोर्टल पर जाकर रिपोर्ट कर सकते हैं।

क्या होगा फायदा?: सबसे अच्छी बात तो यह है कि यह प्रोसेस पूरी तरह से डिजिटल है। किसी तरह के पेपर की कोई जरूरत नहीं होती है। आधार को डीएक्टिवेट कराने से उसका गलत उपयोग होने से रोकने में मदद मिलेगी।

कैसे करें डीएक्टिवेट?: आपको किसी मृत परिजन के आधार को डीएक्टिवेट कराने के लिए माईआधार पोर्टल (myaadhaar.uidai.gov.in) पर जाना होगा। इसके बाद अपने आधार नंबर से लॉग इन करें। फिर आपको कई सारे ऑप्शन दिखेंगे।

मढ़ई में जिला पंचायत सम्मेलन आयोजित

होम स्टे योजना से ग्रामीण रोजगार बढ़ाने पर बल दिया

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल मढ़ई के ड्रीम व्यू हेरिटेज रिसॉर्ट में जिला पंचायत का सामान्य सम्मेलन आयोजित हुआ। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर पटेल ने की, जिसमें उपाध्यक्ष मनोहर लाल पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन सहित 12 सदस्य और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

योजनाओं की समीक्षा

पूर्व बैठक के अनुमोदन और पालन प्रतिवेदन की जांच के बाद ग्रामीण जल योजनाओं, गेहूं उपार्जन, खनिज विभाग की अवैध उत्खनन रोकथाम, रेत नीति तथा प्रधानमंत्री आवास योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। सदस्यों ने क्षेत्रीय समस्याएं साझा कीं और सुधार के निर्देश दिए । वही उपार्जन केंद्रों के स्थान परिवर्तन और आवास हितग्राहियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

पर्यटन और होमस्टे पर फोकस

सीईओ हिमांशु जैन ने एक जिला एक उत्पाद के तहत होमस्टे योजना से ग्रामीण रोजगार बढ़ाने पर बल दिया, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बनेगी। सम्मेलन के बाद छेड़का ग्राम के होमस्टे का भ्रमण कराया गया, जहां संचालक श्री दयाराम ने आय स्रोत बताए. टेकापार के आजीविका भवन को महिला स्वसहायता समूह को रिसॉर्ट के लिए सौंपा जा रहा है। जंगल सफारी और समापनकार्यक्रम अंत में मढ़ई क्षेत्र में जंगल सफारी कराई गई, जिससे पर्यटन संभावनाओं की जानकारी मिली। जिला पंचायत परियोजना अधिकारी योगेन्द्र राय, पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर सहित ग्रामीण विकास, वन, कृषि आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे । यह सम्मेलन नर्मदापुरम में पर्यटन विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नगर रक्षा समिति की बैठक में युवाओं ने सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने का लिया संकल्प

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने वाली नगर रक्षा समिति को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से ईश्वर रेस्टोरेंट में एक महत्वपूर्ण बैठक और कार्यशाला का आयोजन किया गया। लंबे समय से निष्क्रिय पड़ी इस समिति को सक्रिय बनाने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया।कार्यशाला को संबोधित करते हुए एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा ने समिति के कार्य, अधिकार और कर्तव्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने और कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। नगर निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला ने भी विचार व्यक्त करते हुए युवाओं से अनुशासन, जिम्मेदारी और सेवा भाव के साथ समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया।सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर ने समिति के पूर्व कार्यों का उल्लेख कर नई कार्यकारिणी गठन और अधिक युवाओं को जोड़ने पर जोर दिया। बुंदेला ने बताया कि समिति के सदस्य प्रत्येक वार्ड में अपराध नियंत्रण में पुलिस की मदद करते हैं और आपातकाल में ड्यूटी करते हैं। नए युवाओं को जोड़े जाने के साथ भविष्य में पुलिस विभाग द्वारा गणवेश, परिचय पत्र और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।युवाओं में उत्साह लहर देखी गई। उन्होंने नगर सुरक्षा में सक्रिय भागीदारी और पुलिस सेवा-अनुशासन प्रशिक्षण लेने का संकल्प लिया, जिससे वे समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें।

बैंक ऐप अपडेट के नाम पर बुजुर्ग से ठग लिए 1.10 लाख रुपए

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

पुलिस अनुभाग इटारसी के पथरोटा थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक बुजुर्ग को अपना शिकार बनाया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के योनो ऐप अपडेट के बहाने ठगों ने 63 वर्षीय सुरेश कुमार चिमानिया के खाते से 1 लाख 9 हजार 700 रुपये उड़ा लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल के जरिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम घाटली निवासी सुरेश कुमार को 3 अप्रैल को सुबह करीब 9.05 बजे एक अज्ञात नंबर से फोन आया। खुद को पंकज बताने वाले ठग ने योनो ऐप अपडेट करने का झांसा दिया। बुजुर्ग के भरोसे में आकर उन्होंने लिंक पर क्लिक किया, जिससे ठगों को बैंकिंग की गोपनीय जानकारी मिल गई। इसके बाद 10.53 बजे तक खाते से सारा पैसा गायब हो गया। ठगी का पता चलने पर सुरेश ने 10 अप्रैल शाम को पथरोटा थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी मोनिका गौर ने बताया, साइबर सेल मामले की गहन जांच कर रही है। कॉल करने वाले नंबर का क्षेत्र, सिम मालिक और अन्य सुराग खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपी पकड़े जाएंगे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अज्ञात कॉल या लिंक पर भरोसा न करें। बैंकिंग जानकारी कभी शेयर न करें और संदिग्ध मामलों में तुरंत थाने या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के स्वास्थ्य शिविर में पांच सौ से अधिक लोगों ने लिया लाभ

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की मुख्य शाखा द्वारा सागर मल्टीनेशनल अस्पताल के सहयोग से रेलवे स्कूल, नया यार्ड में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लगभग 500 नागरिकों, आम जनता और रेलवे कर्मचारियों ने लाभ उठाया।शिविर का उद्घाटन करते हुए सीनियर डीएमई आशीष झारिया, डीजल मंडल अध्यक्ष आर.के. शर्मा, राजेश गौर, योगेश चौरे, मंडल संगठक प्रीतम तिवारी सहित मुख्य शाखा के सभी पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रीतम तिवारी नें बताया कि शिशु रोग विशेषज्ञ, आंखों के विशेषज्ञ और जनरल फिजिशियन द्वारा सैकड़ों रेलवे कर्मचारियों व उनके परिवारजनों की निशुल्क जांच की गई।महामंत्री अशोक शर्मा के कुशल नेतृत्व में संघ न केवल रेलवे कर्मचारियों के हक के लिए मंडल कार्यालय, मुख्यालय और रेलवे बोर्ड स्तर पर आवाज उठा रहा है, बल्कि उन्हें चिकित्सा सुविधाएं भी सुनिश्चित कर रहा है। तीन दिनों तक नया यार्ड रेलवे कॉलोनी में प्रचार-प्रसार कर सुबह से पंजीकरण शुरू किया गया, जिससे बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए।

एमपी ट्रांसको इंजीनियर राय की स्टडी को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के इटारसी स्थित ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस विभाग के सहायक अभियंता आशुतोष राय द्वारा तैयार एक तकनीकी केस स्टडी को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल %वॉटर एंड एनर्जी इंटरनेशनल% में स्थान मिला है।मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत ओझा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस केस स्टडी को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र के देश-विदेश के नामी विशेषज्ञों ने भी व्यापक सराहना दी है। इंजीनियर जितेंद्र तिवारी के सहयोग से तैयार यह स्टडी 35 वर्ष से अधिक पुरानी ट्रांसमिशन लाइनों में बिजली गिरने से उत्पन्न समस्याओं के समाधान पर केंद्रित है। जनसंपर्क अधिकारी ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि इसमें स्पेशल पिट आधारित अर्थिंग तकनीक का सफल प्रयोग किया गया है, जिससे टॉवर फुटिंग इम्पीडेंस कम हुआ और फॉल्ट क्लियरिंग समय में सुधार आया। इस तकनीक से ट्रांसमिशन सिस्टम की स्थिरता व विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

वैश्य महिला इकाई की अनूठी पहल, पक्षियों के लिए सकोरों का संकल्प

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

गर्मी की तपिश बढ़ते ही शहरवासी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने को उत्साहित दिख रहे हैं। वैश्य महासम्मेलन की महिला इकाई ने अपनी मासिक बैठक में पर्यावरण संरक्षण और जीव हित का संदेश देते हुए पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे लगाने का संकल्प लिया। बैठक अध्यक्ष अंजू गुप्ता के निवास पर आयोजित इस सभा में सदस्यों ने फैसला किया कि वे अपने घरों की छतों, बालकनियों और पेड़ों पर पानी भरे सकोरे रखेंगे। इससे गर्मी में प्यास से तड़पते बेजुबान परिंदों को राहत मिलेगी। जिलाध्यक्ष श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, मानवता के साथ जीव-जंतुओं की सेवा हमारा कर्तव्य है। एक छोटा सकोरा किसी प्यासे पक्षी के लिए जीवन दान बन सकता है। यह अभियान संवेदनाओं को जगाने वाला है। सदस्यों ने न केवल सकोरों का वितरण किया, बल्कि इसे व्यापक अभियान बनाने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर रंजीता सोनी, वर्षा अग्रवाल, भावना अग्रवाल, रीना बंग, विनीता अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, जयश्री सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

अमृत 2.0 की खुदाई में फूटी पुरानी पाइपलाइन नर्मदापुरम में सड़क पर बहा हजारों लीटर पानी

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम में हरियाली चौक अनाज मंडी गेट के सामने शनिवार-रविवार रात 1 बजे अमृत 2.0 की नई पाइपलाइन बिछाने के दौरान जेसीबी का पंजा लगने से पुरानी पेयजल लाइन फूट गई। इस लापरवाही के कारण हजारों लीटर पानी सड़क पर व्यर्थ बह गया और रविवार सुबह शांतिनगर समेत कुछ कॉलोनियों में पेयजल सप्लाई प्रभावित रही। वर्तमान में सुबह से ठेकेदार द्वारा फूटी हुई पाइपलाइन का सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है।

टंकी भरने के बाद बंद की लाइन, ताकि रसूलिया में न रुके सप्लाई

नगर पालिका इंजीनियर आयुषी रिछारिया के अनुसार, जो पाइपलाइन फूटी है, उससे पानी फिल्टर प्लांट से रसूलिया की टंकियों में जाता है। रात में जेसीबी का पंजा लगने से लाइन में छेद हो गया था। उस वक्त रसूलिया क्षेत्र की टंकी भरी जा रही थी। अगर उसी समय लाइन बंद कर देते तो सुबह रसूलिया क्षेत्र में पेयजल सप्लाई प्रभावित हो जाती। इसलिए रात में टंकी भराने के बाद ही लाइन को बंद किया गया।

शांतिनगर समेत कई कॉलोनियों में सप्लाई ठप

तीन साल से चल रहा काम, शांतिनगर में नहीं आया पानी

शहर में अमृत 2.0 योजना के तहत इंटकवेल से फिल्टर प्लांट तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य पिछले 3 साल से जारी है। यह नई लाइन पुरानी पेयजल लाइन के ठीक बाजू से बिछाई जा रही है, जिसके चलते कई बार जेसीबी का पंजा लगने से पुरानी लाइन फूटने के मामले सामने आ रहे हैं। इधर, लाइन फूटने से परेशान शांतिनगर के रहवासियों ने बताया कि रविवार को सुबह पानी की सप्लाई होती है, लेकिन 10.15 बजे तक नलों में पानी नहीं आया है। लोगों को पानी के लिए यहां वहां भटकना पड़ा।

किरण जैन की मृत्यु उपरांत नेत्रदान किए

सिरोंज. दोपहर मेट्रो।

एसबीआई के रिटायर्ड मैनेजर देवेंद्र जैन की धर्मपत्नी किरण जैन ने मृत्यु उपरांत नेत्रदान किए है। किरण का आकस्मिक निधन हैदराबाद में हो गया था। इसी बीच देवेंद्र और उनके बेटी - दामाद ने किरण की नेत्रदान की इच्छा को पूरी करने में महती भूमिका निभाई। जानकारी मिलते ही राम रामायमा इंटरनेशनल आई हॉस्पिटल एलभी प्रसाद केयर हैदराबाद ने मेडिकल टीम के साथ किरण के नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की। देवेंद्र ने बताया कि किरण धर्म के प्रति निष्ठावान थी। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उनका ये नेत्रदान समाज के लिए प्रेरक रहेगा।

मेट्रो एंकर

भाजपा देवपुर एवं चितावर मंडल का प्रशिक्षण प्रारंभ

संत तारण तरण की तपोभूमि पर भाजपाई समझेंगे सरकारों की उपलब्धियां

सिरोंज. दोपहर मेट्रो।

शनिवार को संत तारण-तरण को तपोभूमि ग्राम सेमलखेड़ी में भारतीय जनता पार्टी के देवपुर एवं चितावर मंडल का प्रशिक्षण कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात प्रतिभागियों का पंजीयन किया गया। राष्ट्रीय गीत का गायन हुआ। चितावर मंडल के प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में लक्ष्मण सिंह बघेल उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में भारतीय जनता पार्टी के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1951 में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी द्वारा जनसंघ की स्थापना की गई थी। उन्होंने बताया कि जनसंघ ने जम्मू-कश्मीर आंदोलन के दौरान 'एक देश में दो प्रधान, दो विधान नहीं चलेंगे' का नारा दिया तथा देश की परमाणु क्षमता बढ़ाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। उन्होंने आगे बताया कि 1952 के लोकसभा चुनाव में जनसंघ को तीन सीटें प्राप्त हुई थीं। वर्ष 1975-77 के आपातकाल के दौरान जनसंघ के कई नेताओं को गिरफ्तार किया गया, लेकिन संघर्ष जारी रहा। इसके बाद 1977 में जनसंघ का भारतीय जनता पार्टी में विलय हुआ। लक्ष्मण सिंह बघेल ने कहा कि 1984 के चुनाव में भाजपा को केवल दो सीटें मिलीं, लेकिन 1991 में राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद पार्टी को 120 सीटें प्राप्त हुईं। वर्ष 1996 में भाजपा 161 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, हालांकि सरकार केवल 13 दिन चली। वर्ष 1999 में 182 सीटों के साथ एनडीए की सरकार बनी, जिसे अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में स्थिर एवं स्वर्णिम कार्यकाल के रूप में जाना जाता है। इस दौरान प्रधानमंत्री सड़क योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गईं। उन्होंने आगे बताया कि 2004 और 2009 में पार्टी को चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन 2014 में 282 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्थिर सरकार स्थापित हुई। 2024 में भाजपा को 240 सीटें प्राप्त हुईं और वह देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी रही। उन्होंने केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि धारा 370 हटाना, तीन तलाक पर प्रतिबंध तथा राम जन्मभूमि को ट्रस्ट को सौंपना जैसे ऐतिहासिक निर्णय देशहित में लिए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान देवपुर मंडल में केंद्र एवं प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए महेंद्र सिंह दाँगी ने कहा की कहा की हमारी सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य कर रही है आज प्रधानमंत्री आवास, किसान सम्मन निधि मध्य प्रदेश सरकार पर लाडली बहना जैसी अनेको महत्वपूर्ण योजनाएं सरकार के द्वारा चलाई जा रही है जिनका लाभ सीधा आम जनों को मिल रहा है। इस अवसर पर चितावर मंडल के उदघाटन सत्र मे विधायक उमाकांत शर्मा भी पहुँचे और अपने विचार रखे से इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत, हमीर सिंह राजपूत, कैलाश शर्मा, सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे वही देवपुर मंडल प्रशिक्षण मे मंडल अध्यक्ष झार सिंह दांगी, माधवी माथुर, महेंद्र सिंह दांगी, दरयाब सिंह कुर्मी, भैरों सिंह कुर्मी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रखरखाव कार्य के चलते कई क्षेत्रों में रही बिजली आपूर्ति बाधित

गंजबासौदा. दोपहर मेट्रो।

आज शहर के 33 केवी बासौदा फीडर पर आवश्यक रखरखाव एवं सुधार कार्य किए जाने के चलते विभिन्न क्षेत्रों में निर्धारित समय तक विद्युत आपूर्ति बंद रही। विद्युत विभाग द्वारा प्रस्तावित इस कार्य के अंतर्गत 33/11 केवी बासौदा शहर उपकेंद्र से निकलने वाले सभी 11 केवी फीडर, 33/11 केवी बेदनखेड़ी उपकेंद्र के समस्त फीडर, गोकुलधाम उपकेंद्र के फीडर तथा जेल उपकेंद्र से निकलने वाले ईदगाह एवं 11 केवी वाटर वर्क्स फीडर पर कार्य किया गया। इस दौरान पेड़ कटिंग, जंपरिंग, लाइन सुधार सहित अन्य आवश्यक तकनीकी कार्य संपन्न किए गए, जिससे भविष्य में विद्युत आपूर्ति को अधिक सुचारू एवं सुरक्षित बनाया जा सके। शटडाउन के कारण ईदगाह रोड, तिरंगा चौक, बेदनखेड़ी, सावरकर चौक, न्यू बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन रोड, मिल रोड, बरेठ रोड, इमली चौराहा, बहलोट क्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। वहीं नागरिकों को इस दौरान गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ा।

हर्रई (चंदना) स्कूल के प्रभारी शिक्षक को हटाया गया

तेंदूखेड़ा. तारादेही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ,संकुल प्रभारी प्राचार्य स्वदेश नेमा द्वारा शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला हर्रई के प्रा. शि. बद्री प्रसाद झारिया के विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से शाला प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, विद्यालय संचालन में शासन के नियमों की अवहेलना, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन न करना, तथा ऑनलाइन कार्यों जैसे मैपिंग, प्रोफाइल, साइकिल एवं यूडाइस संबंधी कार्य समय पर पूर्ण न करने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आई हैं। इसके अतिरिक्त कक्षा 5वीं का परीक्षा परिणाम संतोषजनक न होना, छात्रों की लगातार कम उपस्थिति तथा एचपीवी टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में अनियमितता भी दर्ज की गई है। इन सभी कृत्यों को गंभीर कदाचरण की श्रेणी में माना गया है। आदेश में निर्देशित किया गया है कि बदी प्रसाद झारिया आगामी तीन दिवस के भीतर शाला का समस्त प्रभार राजू प्रसाद साहू मा. शि. को विधिवत हस्तांतरित कर इसकी सूचना कार्यालय को उपलब्ध कराएं। निर्धारित समय सीमा का पालन न करने की स्थिति में उनके विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी।

संतों की स्मृति को सहेजना एवं उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी: महापौर

सागर. महापौर संगीता सुशील तिवारी ने शहर के एमएलबी स्कूल के पास के समीप स्थापित संत शिरोमणि सेन महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया गया। नामकरण 'सेन चौराहा' के रूप में किया गया. कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर

महापौर संगीता तिवारी ने कहा कि सेन समाज द्वारा संत शिरोमणि सेन महाराज की प्रतिमा स्थापित करने की मांग बहुत लंबे समय से की जा रही थी जिसको एम आई सी एवं निगम परिषद ने पूर्ण किया। महापौर ने कहा कि संत शिरोमणि सेन महाराज का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने जीवन में सेवा, समर्पण एवं भक्ति का जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आज भी समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि संत सेन महाराज केवल एक सच्चे भक्त ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने सदैव मानव कल्याण के लिए कार्य किया और समाज में प्रेम, सद्भाव एवं समानता का संदेश दिया। महापौर ने कहा कि ऐसे महान संतों की स्मृति को सहेजना एवं उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रतिमा स्थापना एवं चौराहे का नामकरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनके आदर्शों से प्रेरणा ले सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम शहर के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश भाजपा पैनलिस्ट रिशांक तिवारी ने भी संत सेन महाराज के जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

जबलपुर में मामूली विवाद पर वकील और कॉन्स्टेबल के बीच जमकर मारपीट

जबलपुर। जबलपुर में मामूली विवाद पर वकील और कॉन्स्टेबल के बीच जमकर मारपीट हुई। हंगामा होता देख आसपास के लोग बाहर आए और मामला शांत कराया। मामला सिविल लाइन स्थित समीक्षा टाउन का है, जहां शनिवार रात बच्चों के विवाद पर बड़े आमने-सामने आ गए। मारपीट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।सूचना मिलते ही वकील के साथी मौके पर पहुंचे। बाद में सिविल लाइन थाने पहुंचकर कॉन्स्टेबल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

14 से खरमास समाप्त, मांगलिक कार्यों की होगी शुरुआत

उज्जैन। नवग्रहों के राजा सूर्य 14 अप्रैल को प्रातः 9:52 बजे मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करते ही खरमास की समाप्ति मानी जाती है। इसके साथ ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी और लोग विवाह, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत जैसे शुभ कार्य कर सकेंगे।

14 मार्च की रात 11:59 बजे सूर्य ने कुंभ राशि को छोड़कर मीन राशि में प्रवेश किया था। इस दौरान एक माह तक विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों पर रोक रही।

उल्टी दस्त की शिकायत पर देर रात हुए थे भर्ती स्वास्थ्य विभाग व पीएचई विभाग की टीम पहुंची जांच करने

भंडारे में भोजन व हैंडपंप का पानी पीने से दो दर्जन बीमार, स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा इलाज

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

ब्लॉक के ग्राम मोहरा में शुक्रवार रात करीब 25 ग्रामीण अचानक बीमार पड़ गए। उन्हें उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, जिसके बाद तत्काल इलाज के लिए तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र ले लाया गया। कुछ लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है ग्रामीणों के अनुसार वो गांव में एक मंदिर के पास आयोजित भंडारे शामिल हुए थे जहां उन्होंने भोजन किया था। इसके बाद शाम 6 बजे से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और उल्टी-दस्त की समस्या शुरू हो गई घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की एक टीम शनिवार की सुबह मोहरा ग्राम पहुंची। टीम ने ग्रामीणों से बातचीत कर मामले की जांच कर रही है ताकि बीमारी के सही कारण का पता लगाया जा सके साथ ही स्वास्थ्य विभाग का अमला घर घर पहुंचकर लोगों की जांच कर रहा है

इनकी बिगड़ी तबीयत

बीमार हुए लोगों में गुड्डी बाई पति निरपत सिंह लोधी उम्र 55 वर्ष संजय पिता निरपत सिंह उम्र 38 बड़ी बाई पति दशरथ सिंह लोधी उम्र 55 खिलान पिता दशरथ सिंह लोधी उम्र 33 विक्रम पिता पंचम सिंह लोधी उम्र 24 वर्ष सहित अन्य ग्रामीण शामिल हैं जिनका इलाज जिला अस्पताल दमोह में चल रहा है। विक्रम लोधी ने बताया कि तीन दिन पहले गांव के माता मंदिर के पास भंडारा हुआ था, जिसमें अधिकांश ग्रामीणों ने भाग लिया था। भंडारे से लौटने के बाद उन्हें अचानक पेट दर्द और उल्टी-दस्त शुरू हो गए उन्होंने पहले इसे गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन शुक्रवार रात जब परेशानी बढ़ी तो वे अस्पताल पहुंचे।

जिन्होंने भंडारे में प्रसादी खाई वही बीमार: मोहरा निवासी संजय लोधी ने आशंका जताई कि भंडारे के खाने में कुछ गड़बड़ थी, क्योंकि केवल वही लोग बीमार हुए, जिन्होंने वहां भोजन किया था उन्होंने बताया कि भंडारे में गक्कड़ और भर्ता परोसा गया था। बीमारी का सटीक कारण अभी अज्ञात है लेकिन लगभग दो दर्जन ग्रामीण प्रभावित हुए हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया सभी को फूड प्वाइजनिग हुआ है। यह कोई बीमारी नहीं है। भंडारे का भोजन खाने के बाद यह स्थिति बनी है साथ ही स्वास्थ्य विभाग टीम मोहरा गई है जो घर घर पहुंचकर लोगों की जांच कर रही है।

तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम मोहरा का मामला

पीएचई विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची

वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ ही आनन फानन में तेंदूखेड़ा से पीएचई विभाग की टीम भी शनिवार की सुबह मोहरा ग्राम पहुंची जहां टीम ने पहले जिस स्थान पर भंडारे का आयोजन किया था और लोगों ने पानी पिया था उस स्थान पर लगे हैंडपंप की जांच-पड़ताल की और पानी का सेंपल लिया गया साथ ही गांव के अन्य हैंडपंपों की जांच कर पानी का सैम्पल लिया जहां पीएचई विभाग के अधिकारियों की टीम ने पानी के सैम्पल के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

7 दिन गांव में तैनात रहेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम

तेंदूखेड़ा के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. अशोक बरौनियां स्वयं स्वास्थ्य टीम के ग्राम पहुंचे और उन्होंने आगामी 7 दिनों के लिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही आवश्यक दवाइयों, ओआरएस घोल और अन्य चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है प्रशासन द्वारा ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अपने आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, स्वच्छ भोजन एवं पेयजल का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करे।

भालूमाड़ा-पसान शराब दुकान पर गंभीर आरोप, एक्सपायरी बीयर और ओवररेटिंग का खेल?

अनूपपुर। जिले के भालूमाड़ा-पसान क्षेत्र स्थित शराब दुकान पर उपभोक्ताओं के साथ कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि दुकान संचालक द्वारा खुलेआम एक्सपायरी बीयर बेची जा रही है, साथ ही ग्राहकों से निर्धारित MRP से अधिक कीमत वसूली जा रही है। सूत्रों के अनुसार, कई ग्राहकों ने बीयर खरीदने के बाद उसकी एक्सपायरी डेट निकल चुकी पाई। इसके बावजूद दुकान पर न तो कोई जांच व्यवस्था दिखाई दे रही है और न ही नियमों का पालन किया जा रहा है। इससे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शराब दुकान में मनमानी इस हद तक बढ़ गई है कि ग्राहकों को मजबूरी में ज्यादा दाम देकर सामान लेना पड़ रहा है। वहीं, इस पूरे मामले में आबकारी विभाग की निष्क्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

डीजल टंकी लीक, फिर भी गैस सिलेंडर वितरण जारी, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

अनूपपुर/कोतमा। कंज्यूमर कोऑपरेटिव सोसाइटी जमुना कोतमा द्वारा संचालित इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की इण्डेन गैस एजेंसी भालूमाडा में सुरक्षा मानकों की अनदेखी का गंभीर मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार सिलेंडर वितरण में लगी वाहन क्रमांक स्ब्क्ष 18 ॥ 0327 की डीजल टंकी लीक कर रही है, जिसके बावजूद उसी स्थिति में गैस सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, टंकी से गिर रहे डीजल को बचाने के लिए वाहन में एक बोतल लटकाकर अस्थायी जुगाड़ किया गया है। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि एक बड़ा हादसा होने का खतरा भी पैदा कर रहा है। गैस सिलेंडर जैसे ज्वलनशील पदार्थ के साथ इस तरह की लापरवाही गंभीर सुरक्षा चूक मानी जा रही है।

इस पूरे मामले में सोसाइटी की अध्यक्ष और प्रबंधक की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर किसके आदेश पर इस खतरनाक स्थिति में वाहन को संचालन की अनुमति दी गई और अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

उमरिया में साइबर ठगी का बढ़ता जाल

गरीबों के बैंक खातों पर डबल मार, कार्रवाई पर उठे सवाल

उमरिया। जिले में ऑनलाइन घोटालों और साइबर अपराधों के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिनका सबसे ज्यादा खामियाजा आम गरीब जनता को भुगतना पड़ रहा है। हाल ही में स्थानीय नागरिक रामायणवती कोल सहित कई पीड़ितों ने अपनी आपबीती साझा करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं कि न केवल साइबर ठग, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था भी उन्हें परेशान कर रही है।

पीड़ितों के अनुसार, बिना स्पष्ट कारण बताए उनके बैंक खातों को बार-बार फ्रीज कर दिया जाता है। खाता चालू कराने के लिए गरीब तबके के लोग बैंक के चक्कर काटते रहते हैं, जिससे उनका समय और ऊर्जा दोनों बर्बाद होते हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब खाता चालू होने के बाद उसमें संदिग्ध या 'काला धन' ट्रांसफर होने की शिकायत सामने आती है। नागरिकों का आरोप है कि इस तरह के ट्रांजेक्शन से उन्हें अनजाने में ही संदिग्ध बना दिया जाता है और बाद में पुलिस कार्रवाई, स्नढ्ढक्रऔर पूछताछ की धमकियों का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि एक बार की गलती को नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन जब यही घटनाएं बार-बार दोहराई जाएं, तो यह एक सुनियोजित समस्या प्रतीत होती है। इसके अलावा, फर्जी कॉल्स के जरिए खुद को अधिकारी बताकर लोगों से मोटी रकम वसूलने के मामले भी सामने आए हैं, जिससे आम जनता में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि बैंक, खासकर यूको बैंक, अपने नियम-कायदों को थोपते हुए ग्राहकों का पक्ष सुने बिना ही कार्रवाई करता है, जिससे गरीबों को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित होना पड़ता है।

अनिल कुमार सोनी आर्यावृत पत्रकार संघ पाटन के अध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर। पत्रकारिता के क्षेत्र में दीर्घ अनुभव और योगदान को देखते हुए पाटन के वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार सोनी को आर्यावृत पत्रकार संघ मध्यप्रदेश की पाटन तहसील का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति जबलपुर जिले के अध्यक्ष अमित परोहा ने की है। श्री सोनी से पत्रकारों के हित में कार्य करने की और संगठन को विस्तार देने की अपेक्षा की गई है।

अमरकंटक में विचार संगोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 13 अप्रैल को

अनूपपुर। जिले के अमरकंटक स्थित न्यास मुख्यालय में 13 अप्रैल 2026, सोमवार को प्रातः 11 बजे विचार संगोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम स्वर्गीय भगवत शरण माथुर की जयंती के अवसर पर आयोजित होगा।

जानकारी के अनुसार, स्व. भगवत शरण माथुर वर्ष 1975 से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के रूप में सक्रिय रहे और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित जीवन जिया। वे एक प्रखर राष्ट्रभक्त, अनुशासित संगठनकर्ता एवं कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत रहे हैं। उन्होंने विभिन्न जिलों में प्रचारक के रूप में कार्य करते हुए संगठन को मजबूत किया। साथ ही वे रीवा संभाग में भाजपा के संगठन मंत्री, मध्यप्रदेश सह-संगठन महामंत्री, प्रदेश महामंत्री (संगठन), हरियाणा में संगठनात्मक जिम्मेदारियों तथा अनुसूचित जनजाति/जाति एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में भी सेवाएं दे चुके थे। वे श्री नर्मदे हर सेवा न्यास अमरकंटक के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। कार्यक्रम में 'पंच परिवर्तन' विषय पर विचार संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं राज्य मंत्री (कुटीर एवं ग्रामोद्योग) दिलीप जायसवाल एवं शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजक एवं श्री नर्मदे हर सेवा न्यास के अध्यक्ष रामलाल रैतल ने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं विचार संगोष्ठी में सहभागिता करने की अपील की है।

मेट्रो एंकर भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर ने संघर्ष, दूरदृष्टि, सादगी को जीवन में अंगीकार कर देश को आगे बढ़ाने का कार्य किया: तोमर

समर्पण के पर्यायवाची कर्पूरी ठाकुर: चौधरी

सागर, दोपहर मेट्रो

भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर ने संघर्ष, परिश्रम, दूरदृष्टि, सादगी को जीवन में अंगीकार कर देश को आगे बढ़ाने का कार्य किया। उक्त विचार विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने शनिवार को सागर में भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

तोमर ने कहा कि हम साक्षी बन पा रहे हैं, इसके लिए रघु ठाकुर को हृदय से बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने मुझे आग्रह किया था कि इस अवसर पर मैं उपस्थित रहूं, तो कर्पूरी ठाकुर का विषय था मैंने हां कर दिया था.मैं समझता हूं ऐसे अवसर न सिर्फ भाषण के लिए होते हैं, न सिर्फ प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के लिए होते हैं, ऐसे अवसर प्रेरणा लेने के लिए होते हैं। इस अवसर से हम प्रेरणा लें, कर्पूरी जी के व्यक्तित्व को, कृतित्व को, उनकी साधना को, उनके संघर्ष को, उनके समर्पण को, उनकी संवेदनशीलता को, उनकी दूरदृष्टि को अपने जीवन में अगर हम अंगीकार करें तो अपने जीवन को भी सार्थक बना सकते हैं और देश के कल्याण के लिए भी निश्चित रूप से कुछ करने में योगदान देने में हमारी भूमिका हो सकती है. मैं समझता हूं ऐसे अवसर न सिर्फ भाषण के लिए होते हैं, न सिर्फ प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के लिए होते हैं, ऐसे अवसर प्रेरणा लेने के लिए होते हैं। हम प्रेरणा लें, कर्पूरी के व्यक्तित्व को, कृतित्व को, उनकी साधना को, अपने जीवन में अगर हम अंगीकार करें तो अपने जीवन को भी सार्थक बना सकते हैं और देश के कल्याण के लिए भी निश्चित रूप से कुछ करने में योगदान देने में हमारी भूमिका हो सकती है।

कर्पूरी ठाकुर में गांधी जी के गुण थे:रघु

कार्यक्रम के अध्यक्ष रघु ठाकुर ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर में महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश का मिलन था, जिनके सिद्धांतों पर कर्पूरी ठाकुर ने अपने व्यक्तित्व को निखारकर आगे बढ़े। कर्पूरी ठाकुर में गांधी जी के गुण थे, जिनके माध्यम से उन्होंने अनेक कार्य किए।उन्होंने कहा कि योग्यता की कसौटी योग्यता नहीं थी, योग्यता की कसौटी भाषा थी, तब जाकर बिहार में अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म कराया।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर समाज उत्थान किया: चौधरी

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री राजभूषण चौधरी ने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर का जीवन संघर्ष, सादगी, समर्पण और परिश्रम से भरा था। इसी सादगी भरे जीवन से उन्होंने दो बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर समाज उत्थान किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने गरीब एवं अभावग्रस्त व्यक्तियों के लिए कार्य किया।

23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने दूसरे राउंड की शुरुआत में ही तेजी दिखाई और उज्बेक पहलवान के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत दर्ज की।

एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के नाम 14 पदक

सुजीत और अभिमन्यु ने जीते गोल्ड

नई दिल्ली , एजेंसी

सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में वर्ल्ड अंडर-23 चैंपियन सुजीत और अभिमन्यु ने अपने-अपने पुरुषों के फ्रीस्टाइल फाइनल मुकाबलों में भारत को दो गोल्ड मेडल दिलाने में मदद की। किर्गिस्तान के बिश्केक में जारी चैंपियनशिप में सुजीत ने पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जलोलोव के खिलाफ 8-1 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह बजरंग पूनिया (साल 2019) के बाद इस भार वर्ग में एशियन चैंपियनशिप का गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। सुजीत ने शुरुआती राउंड में धीमी शुरुआत की, क्योंकि जलोलोव ने पकड़ बनाए रखी और भारतीय पहलवान को हमला करने का मौका नहीं दिया, लेकिन 23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने दूसरे राउंड की शुरुआत में ही तेजी दिखाई और उज्बेक पहलवान के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। कुछ ही मिनटों बाद, अभिमन्यु ने भारतीय खेमे के लिए खुशी दोगुनी कर दी। अभिमन्यु ने पुरुषों के 70 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया के तुलगा तुमुर ओचिर को 5-3 से हराया।

अभिमुन्यु पहले भी देश के लिए जीत चुके हैं स्वर्ण

सीआईएसएफ सेंट्रल रेसलिंग टीम के 24 वर्षीय पहलवान हेड कांस्टेबल अभिमन्यु ने किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में 70 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर फोर्स और देश का नाम रोशन किया। संदीप मान के पास भारत के लिए गोल्ड मेडल्स की हैट्रिक पूरी करने का मौका था, लेकिन पुरुषों के 79 किलोग्राम वर्ग के एक कड़े मुकाबले वाले फाइनल में उन्हें 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, अंकुश ने जापान के फुगा सासाकी को 8-2 से हराकर पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में ब्रॉन्ज जीता।

आईपीएल में आज लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम गुजरात टाइटंस

एलएसजी को लगातार तीसरी जीत की तलाश, इकाना में जीटी से होगी टक्कर

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल 2026 का 19वां मुकाबला आज लखनऊ सुपर जाएंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच लखनऊ में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें अपने पिछले मैच आखिरी गेंद पर जीतकर आ रही हैं। लखनऊ ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया, जबकि गुजरात ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रोमांचक जीत दर्ज की। लेकिन इन जीतों के पीछे की सच्चाई यह है कि दोनों टीमों का प्रदर्शन पूरी तरह संतुलित नहीं था। यह मुकाबला बताएगा कि कौन सी टीम सच में लय में है और कौन अभी भी किस्मत के सहारे मैच निकाल रही है।

गुजरात की चुनौती– गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी लगातार रन बना रही है, लेकिन अभी भी पूरी रफ्तार में नहीं दिख रही। मिडिल और लोअर ऑर्डर थोड़ा कमजोर लग रहा है, जिसकी वजह से टीम चौथे-पांचवें गियर में अटकी हुई है। मोहम्मद सिराज से पावरप्ले में विकेट की उम्मीद थी, लेकिन वह अभी तक उस भूमिका में प्रभावी नहीं रहे हैं। हालांकि जोस बटलर, वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान धीरे-धीरे फॉर्म में लौटते नजर आ रहे हैं, जो टीम के लिए राहत की बात है, लेकिन कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा से अभी और बेहतर प्रदर्शन की जरूरत है।

लखनऊ की परेशानी

लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए ऋषभ पंत की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, खासकर शॉर्ट बॉल के खिलाफ उनका संघर्ष साफ दिख रहा है। वहीं निकोलस पूरन लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं, जिससे टीम की बल्लेबाज़ी उतनी खतरनाक नहीं लग रही जितनी उम्मीद थी। हालांकि आयुष बडोनी और मुकुल चौधरी निचले क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जो टीम के लिए सकारात्मक पहलू है। लखनऊ के पास एक भरोसेमंद ऑलराउंडर की कमी साफ नजर आती है, क्योंकि मिचेल मार्श गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं और मोहम्मद शमी का नंबर-आठ पर आना बल्लेबाजी को थोड़ा कमजोर बना देता है। ऐसे में जॉर्ज लिंडे को शामिल करना टीम को बेहतर संतुलन दे सकता है।

प्लेइंग-11

गुजरात टाइटंस: साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान/कुमार कुशाग्र, राशिद खान, कगिसो रबाडा, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

लखनऊ सुपर जाएंट्स: एडेन मार्करम, मिचेल मार्श, ऋषभ पंत, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मोहम्मद शमी, जॉर्ज लिंडे, आवेश खान, प्रिंस यादव, दिगवेश राठी।

वानखेड़े में मुंबई और आरसीबी की टक्कर, रो-को पर रहेंगी नजरें

मुंबई। आईपीएल 2026 का 20वां मुकाबला रविवार को मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएदा। दोनों टीमें राजस्थान रॉयल्स से मिली करारी हार के बाद आमने-सामने हैं। गुवाहाटी में मिली उस हार ने दोनों टीमों को झकझोर दिया है, और अब वानखेड़े में वे वापसी की तलाश में उतरेंगी। मुंबई ने सीजन की धीमी शुरुआत की है और तीन मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है, जबकि आरसीबी दो जीत के बाद पहली हार झेल चुकी है। ऐसे में यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए मोमेंटम वापस पाने का मौका है।

मुंबई की चिंता– मुंबई इंडियंस के लिए सबसे बड़ी समस्या उनकी गेंदबाजी रही है। टीम ने तीन मैचों में सिर्फ 10 विकेट लिए हैं और उनका पूरा अटैक काफी हद तक जसप्रीत बुमराह पर निर्भर नजर आता है। ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर जैसे पावरप्ले गेंदबाज भी अब तक असरदार नहीं रहे हैं। बल्लेबाजी में बड़े नाम जरूर हैं, लेकिन टीम में नई पीढ़ी का वह एक्स-फैक्टर नहीं दिख रहा जो बाकी टीमों में नजर आ रहा है।

वैभव सूर्यवंशी के हाथों हुई धुनाई पर बोले भुवनेश्वर कुमार

हमें मार नहीं रहा था, बस अच्छा खेल रहा था वैभव ने पावल प्ले में जमकर की थी धुनाई

गुवाहाटी , एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स (ऋक्र) के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शुक्रवार (10 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (2026) के मैच में ऐसी तूफानी पारी खेली, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। 15 साल के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 26 गेंदों पर 78 रन ठोक दिए। इस दौरान उनके बल्ले से 8 चौके और 7 छक्के निकले, जबकि स्ट्राइक रेट 300 का रहा। पावरप्ले में वैभव सूर्यवंशी ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को खास तौर पर निशाना बनाया। भुवनेश्वर के दो ओवरों में उन्होंने 26 रन बटोरे। पहले ओवर में उन्होंने भुवी को दो चौके जड़े, जबकि पारी के पांचवें ओवर में 17 रन लूट लिए। पांचवें ही ओवर में उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी का कहर सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं रहा। इस सीजन में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी निशाना बनाया है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में वैभव ने बूम बूम बुमराह की 5 गेंदों पर 13 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे, जबकि इस मैच में जोश हेजलवुड के एक ओवर में 19 रन ठोक दिए।

भुवी ने बांधे तारीफों के पुल

मैच के बाद भुवनेश्वर कुमार ने युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, %यह टी20 गेम है। वह युवा है और बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। वह काफी परिपक्वता के साथ खेल रहा है, लेकिन हमें ऐसा नहीं लगा कि कोई हमें हावी होकर मार रहा है। अगर 15 साल का खिलाड़ी इस तरह खेल सकता है, तो यह टी20 का ही हिस्सा है। हम ज्यादा चिंतित नहीं हैं।

स्पिनरों के लिए मुश्किल होता है पावर प्ले

भुवनेश्वर कुमार ने कहा, हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। बाहर से खेल अलग दिखता है, लेकिन मैदान के अंदर स्थिति अलग होती है। हमने तेज गेंदबाजों का इस्तेमाल किया और अलग-अलग तरीके अपनाए, लेकिन वैभव ने शानदार शॉट्स खेले। हमें नहीं लगा कि हम कुछ अलग कर सकते थे। पावरप्ले में स्पिनरों का इस्तेमाल करना मुश्किल होता है। हमारे पास ज्यादा विकल्प नहीं थे। हमने जो कर सकते थे, किया, लेकिन उसने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की खासियत बताते हुए भुवनेश्वर कुमार ने कहा, वह स्लॉग नहीं कर रहा है, बल्कि सही क्रिकेट शॉट खेल रहा है। 15 साल की उम्र में इतनी परिपक्वता कम ही देखने को मिलती है। वह पूरी तरह से क्रेडिट का हकदार है। वैभव की तूफानी पारी का अंत 9वें ओवर में हुआ, जब क्रुणाल पंड्या की गेंद पर उन्होंने शॉट खेला और लॉन्ग ऑन पर विराट कोहली ने शानदार कैच लपक लिया। आउट होने के बाद उन्हें दर्शकों और खिलाड़ियों से खड़े होकर सम्मान मिला। कम उम्र में इस तरह की विस्फोटक और परिपक्व बल्लेबाजी कर वैभव सूर्यवंशी ने साफ कर दिया है कि भारतीय क्रिकेट को एक नया सुपरस्टार मिल चुका है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रिलेशनशिप में आने के सवाल पर शुभांगी अत्रे ने शेयर की भावनाएं,

कहा, अब पका घड़ा हो चुकी हूं

मुंबई । छोटे पर्दे पर आने वाले सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' की शुभांगी अत्रे टीवी का बड़ा चेहरा हैं। उन्होंने तकरीबन 10 साल तक सीरियल में अंगूरी भाभी का किरदार निभाया। उन्होंने आईएएनएस से अपनी निजी जिंदगी और भावनाओं से जुड़ी बातें कीं। उन्होंने रिलेशनशिप में आने के सवाल पर भी खुलकर बात की।

अभिनेत्री ने कहा, जिंदगी कई चैप्टर के साथ आती है, और इसमें कुछ लोग जाते हैं और कई लोग आकर चले जाते हैं। 20 की उम्र में ऊर्जा ज्यादा होती है, लेकिन सही और गलत की पहचान नहीं होती, जबकि बढ़ती उम्र के साथ फैसले लेने की क्षमता भी बढ़ जाती है क्योंकि आप स्वीकार करना सीख जाते हैं। आपको पता होता है कि जो हो रहा है, वो ठीक ही होगा और इसका कोई न कोई कारण होगा और शिकायतें भी कम हो जाती हैं।

अभिनेत्री की बेटी यूएस में पढ़ाई कर रही हैं और उससे दूरी बर्दाश्त करना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। मां और बेटी के रिश्ते पर बात करते हुए शुभांगी ने कहा, बेटी यूएस में पढ़ रही है और टाइम जोन का इतना फर्क है कि कभी काफी लंबा समय हो जाता है बिना बात किए। मुझे लगता है कि पढ़ाई करना सबसे ज्यादा जरूरी है, जैसे मैं इंदौर से मुंबई आई अपने सपनों को पूरा करने के लिए, वैसे ही अपनी बेटी को उसका सपना पूरा करने के लिए यूएस भेजा है। हर माता-पिता का कर्तव्य है कि वो अपने बच्चों को उड़ने का हौसला दें और आज के समय में हर महिला का सशक्त होना बहुत जरूरी है।

रिलेशनशिप में नहीं रहना चाहती शुभांगी

शुभांगी अत्रे सिंगल हैं और फिलहाल किसी तरह के रिलेशनशिप में नहीं आना चाहती हैं। अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका खुद का अनुभव कहता है कि पति-पत्नी से ज्यादा उन्हें दोस्ती का रिश्ता पसंद है। कभी-कभार बहुत अकेला लगता है, खासकर किसी परेशानी के समय में, लेकिन अब इस उम्र के साथ चीजों से डील करना भी आ गया है। इस उम्र में मुझे लगता है कि आप पका घड़ा बन जाते हैं, जिसे किसी रिश्ते में ढालना मुश्किल होता है। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए वो पति-पत्नी ज्यादा अच्छे हैं, जो दोस्त हैं। वो रिश्ता खुलकर जीने वाला होता है, न कि डरने वाला। अगर मैं किसी रिश्ते में आई भी तो पहले दोस्ती का रिश्ता बनाऊंगी। मुझे नहीं लगता है कि मुझे किसी भी फैसले को लेकर कभी रिग्रेट हुआ है। मेरा मानना है कि जिंदगी में कोई भी आता है, वो आपको कुछ सिखाने के लिए आता है। मेरी शादी भी बहुत जल्दी हो गई थी, लेकिन समय के साथ हर किसी की भावनाएं बदल जाती हैं।

सेलिना जेटली, बोलीं - ताज सिर्फ पहना नहीं जाता, उसे जिया जाता है

मुंबई । साल 2001 की मिस इंडिया और मिस यूनिवर्स रनर-अप सेलिना जेटली 61वें फेमिना मिस इंडिया पेजेंट में 21 साल बाद वापस लौटीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी इस खास शाम की यादें साझा करते हुए लिखा कि वह उसी मंच पर लौट आई हैं, जहां से उनकी यात्रा शुरू हुई थी। साल 2001 में मिस यूनिवर्स में रनर-अप रह चुकी सेलिना जेटली ने पोस्ट के साथ कई युवा प्रतियोगियों को प्रेरित भी किया। सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरों के साथ लिखा, अबाउट लास्ट नाइट। 61वां फेमिना मिस इंडिया पेजेंट। मैं वहीं वापस आ गई जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। यह पूरा सर्कल पूरा होने का एहसास बहुत गहरा है।साल 2001 में मिस इंडिया का खिताब जीतने वाली सेलिना ने इस बार युवा प्रतियोगियों को ताज पहनाने का जिम्मा संभाला। उन्होंने बताया कि शुरुआती विजेताओं को ताज पहनाना उनके लिए बहुत खास और भावुक अनुभव था। सेलिना ने कहा कि इस मैजिकल शाम में वह उन सभी युवा महिलाओं के सफर की शुरुआत देख रही थीं, जो आगे चलकर अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगी और अपने सपनों, ताकत के साथ लक्ष्य के लिए चमकेंगी।

मेट्रो बाजार

यूपीआई के 10 साल: भारत ने वैश्विक रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट में हासिल की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली । भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को शनिवार को 10 साल पूरे हो गए हैं और इस दौरान भारत ने डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में दुनिया में अपनी अलग पहचान बना ली है। सरकार के अनुसार, आज भारत वैश्विक रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, जो देश की तेजी से बढ़ती डिजिटल ताकत को दर्शाता है। जनवरी 2026 में ही यूपीआई के जरिए 21.70 अरब ट्रांजैक्शन हुए, जिनकी कुल वैल्यू 28.33 लाख करोड़ रुपए रही। भारत में कुल रिटेल डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी 81 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो इसकी लोकप्रियता और व्यापक उपयोग को दिखाती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यूपीआई को दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बताया है। खास बात यह है कि इसे 10 साल से भी कम समय में विकसित किया गया, और इस दौरान इसमें 12,000 गुना से ज्यादा ट्रांजैक्शन वॉल्यूम और 4,000 गुना से अधिक वैल्यू की वृद्धि दर्ज की गई है।यूपीआई की असली ताकत सिर्फ इसके आंकड़ों में नहीं, बल्कि इसके व्यापक उपयोग में है। आज यह सिस्टम शहरों से लेकर गांवों तक, ऑटो रिक्शा चालकों से लेकर सड़क किनारे दुकानदारों और मंडियों तक पहुंच चुका है।एक साधारण स्मार्टफोन की मदद से कोई भी व्यक्ति देश के किसी भी कोने में तुरंत पैसे भेज सकता है, जिससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की दूरी तेजी से कम हो रही है।

भारत वैश्विक निवेश के लिए एक खुला और आकर्षक गंतव्य बना हुआ है: सेबी प्रमुख

नई दिल्ली । सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा है कि भारत आज भी वैश्विक निवेश के लिए एक खुला और आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक आधार, तेजी से बढ़ता निवेशक आधार और सुधारों पर केंद्रित नीतियां भारत को वैश्विक पूंजी के लिए खास बनाती हैं। सेबी प्रमुख ने ये बातें अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और भारतीय महावाणिज्य दूतावास (सीजीआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक इंटरएक्टिव सेशन के दौरान कही। इस सत्र में वैश्विक निवेशकों और वेंचर कैपिटल से जुड़े दिग्गजों ने हिस्सा लिया और भारत में निवेश के अवसरों तथा भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों पर चर्चा की। अपने संबोधन में सेबी प्रमुख ने पारदर्शी, परामर्श-आधारित और तकनीक-संचालित नियामकीय ढांचे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सेबी का फोकस जोखिम-आधारित और निवेश को आसान बनाने वाली नीतियों पर है, जिससे विदेशी निवेशकों के लिए बाजार में प्रवेश सरल हो सके और पूंजी बाजार की स्थिरता बनी रहे। उन्होंने बताया कि हाल के समय में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रजिस्ट्रेशन और री-केवाईसी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल में बढ़ोतरी, आईपीओ बाजार की मजबूती और वैकल्पिक निवेश फंड्स (एआईएफ) की बढ़ती भूमिका ने बाजार को और मजबूत किया है। इसके अलावा, घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी भी बाजार को स्थिरता और गहराई प्रदान कर रही है।

चीनः शहीदों की याद में सबसे बड़ा जल उत्सव बोट रेस में 10 हजार नाविक

ताइझोड। तस्वीर चीन के ताइझोड शहर के किनहु नेशनल वेटलैंड पार्क को है, जहां 'किनटींग बोट फेस्टिवल' का आयोजन हुआ। इसे दुनिया का सबसे बड़ा जल उत्सव माना जाता है। इस साल इसमें 10 हजार से अधिक नाविकों ने हिस्सा लिया। इसका इतिहास 800 साल पुराना है। दरअसल, सोंग राजवंश के सेनापति यू फो अपने सैनिकों के साथ विदेशी आक्रमणकारियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे। इन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए इस उत्सव की शुरुआत हुई थी।

कांग्रेस बंगाल में करीब तीस साल बाद सभी सीटों पर लड़ रही चुनाव

कैसे पार होगी कांग्रेस की नैया! कैंडिडेट तो हैं पर कार्यकर्ता ही नहीं

नई दिल्ली, कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में अपने दम पर चुनावी किस्मत आजमा रही कांग्रेस दशकों बाद खुद को विकल्प के तौर पर पेश कर रही है। पार्टी ने समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए अपने चुनावी घोषणा पत्र में जनता से कई वादे किए हैं। कांग्रेस बंगाल में करीब तीस वर्ष बाद सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। ऐसे में पार्टी ने कई सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं, पर उन क्षेत्रों में चुनाव वादों को जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता नहीं हैं। खासकर उन सीट पर जहां दशकों से वामदल और तृणमूल कांग्रेस का कब्जा है और पार्टी ने पहली बार उम्मीदवार दिया है।

वर्ष 2021 के चुनाव में कांग्रेस तीन फीसदी वोट के साथ अपना खाता तक नहीं खोल पाई थी। इसलिए, पार्टी बहुत संभलकर अपने कदम आगे बढ़ा रही है। पार्टी का पूरा फोकस अपने मजबूत गढ़ रहे मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तरी दिनाजपुर पर है।

बहरामपुर सीट से वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी को मैदान में उतारा है। वहीं, मालदा में अपनी पकड़ को मजबूत करने के लिए वरिष्ठ नेता मौसम नूर को मालतीपुर सीट से टिकट दिया है। पार्टी को उम्मीद है कि प्रदेश की सभी सीट पर चुनाव लड़ने से उसके वोट प्रतिशत में भी इजाफा होगा।

खोई राजनीतिक जमीन की तलाश

बंगाल में वर्ष 1972 के बाद से कांग्रेस के प्रदर्शन में लगातार गिरावट आई है। 1972 में कांग्रेस ने 200 से अधिक सीटों पर जीत हासिल की थी। वर्ष 1977 में आपातकाल के बाद हुए चुनाव में हार के बाद कांग्रेस कभी बंगाल में नहीं उभर पाई। पार्टी को 2011 में 42 और 2016 में 44 सीट मिली थी।

इंडिया गठबंधन का भी ध्यान

तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला बेहद करीबी होता जा रहा है। एसआईआर के बाद लाखों की संख्या में वोट काटे गए हैं। वहीं, भाजपा बेहद आक्रामक है। ऐसे में कांग्रेस नहीं चाहती कि उसकी वजह से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कमजोर पड़े। क्योंकि, तृणमूल कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल है।

पार्टी कर रही नए सिरे से पुनर्गठन की शुरुआत

रणनीतिकार मानते हैं कि कांग्रेस कभी अपने गढ़ रहे क्षेत्रों से कुछ सीट हासिल कर नए सिरे से पुनर्गठन की शुरुआत कर सकती है, लेकिन इसके साथ ही पार्टी सतर्क भी है। पार्टी नहीं चाहती कि सभी सीट पर उसकी मौजूदगी से तृणमूल कांग्रेस को कोई नुकसान हो। इसलिए, वह बहुत संभलकर अपनी चुनावी रणनीति तय कर रही है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सहित कई नेताओं के चुनावी कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पार्टी वहां ज्यादा ध्यान देगी, जहां उसकी जीत की संभावना अधिक है। बता दें कि 2021 और 2024 में राहुल गांधी ने प्रचार नहीं किया था।

सड़क हादसे में 2 सगे भाइयों समेत 3 की मौत, तेरहवीं का सामान लेकर लौट रहे थे

देवास। देवास में भोपाल हाइवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में दो सगे भाइयों को मौत हो गई। घटना शनिवार डेढ़ बजे रात नेवरी फाटा के पास हुई। जिसमें अनियंत्रित होकर एक कार पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार, सभी युवक अपने दादाजी की तेरहवीं के कार्यक्रम के लिए सामग्री लेने सोनकच्छ गए थे। देर रात लौटते समय नेवरी फाटा के पास उनकी कार को किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

मरने वालों में एक ही परिवार के 5 लोग

बस और पिकअप में हुई टक्कर 13 की मौत, 32 लोग घायल

कटिहार। बिहार के कटिहार में शनिवार देर रात बस और पिकअप की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई हैं। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं। मृतकों में 10 महिला, 2 पुरुष और एक बच्ची है। इसमें 11 मृतक पूर्णिया जिले के रहने वाले थे, जबकि एक कटिहार के है। वहीं, एक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

हादसे में 32 से ज्यादा घायल हैं। इनमें 8 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा कटिहार के कोढ़ा ब्लॉक में हा॥-31 पर हुआ। बस से टक्कर के बाद लोगों के शव सड़क पर बिखर

गए। चश्मदीद ने बताया कि हादसे के वक्त ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। गाड़ी की स्पीड भी 100 से ज्यादा थी। बस ड्राइवर ने पहले एक बाइक को उड़ाया इसके बाद पिकअप से टक्कर हुई।

मथुरा नाव हादसा: यमुना से मिले पंजाब के दो और श्रद्धालुओं के शव

मथुरा। शुक्रवार को नौका विहार के दौरान वृंदावन में यमुना में पैंटून पुल का पीपा टकरा जाने से पंजाब के श्रद्धालुओं से भरी मोटरबोट पलटने के मामले में लगातार पानी में डूबे लोगों की तलाश की जा रही है। शनिवार शाम तक 11 शवों को निकाला जा चुका था। रविवार सुबह दो अन्य श्रद्धालुओं के शव भी मिल गए।

इनमें लुधियाना के जगराओं निवासी ऋषभ शर्मा और लुधियाना के ही अर्बन एस्टेट डूगरी निवासी डिंकी बंसल शामिल हैं। अब मृतक संख्या बढ़कर 13 हो गई है। हादसे में डिंकी बंसल की मां मीनू बंसल की भी मृत्यु हो चुकी है। उनका शव शुक्रवार को ही निकाल लिया गया था।

चालक और ठेकेदार के खिलाफ केस

पुलिस ने मोटरबोट चालक और पैंटून पुल ठेकेदार दोनों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। डीएम ने हादसे की जांच एडीएम वित्त डॉक्टर पंकज वर्मा को सौंपी है। रिपोर्ट के आधार पर अन्य दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

भागवत बोले- हिंदू समाज में एकता की कमी, ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

निजामाबाद, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी।

उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था।

भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी एक कमी थी।भागवत तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी

वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

उन्होंने कहा कि हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। ऋस्स की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं।हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छा इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

महिला आरक्षण कानून जल्द लागू करने की अपील पीएम बोले- 2029 चुनाव से पहले हो क्रियान्वयन

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण कानून को लेकर बड़ा बयान देते हुए इसे सच्ची भावना से लागू करने का समय बताया है। संसद के विशेष सत्र से पहले लोकसभा और राज्यसभा के फ्लोर लीडर्स को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सभी दलों से इस मुद्दे पर एकजुट होने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 16 अप्रैल से संसद में महिला आरक्षण कानून से जुड़े ऐतिहासिक विषय पर विस्तृत चर्चा होगी, जो देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है।

महिलाओं की भागीदारी पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी समाज तभी आगे बढ़ सकता है जब महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर मिलें। उन्होंने इसे विकसित भारत के लक्ष्य से

भी जोड़ा। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत के 2029 लोकसभा और विधानसभा चुनावों में महिला आरक्षण को लागू करना बेहद जरूरी है। इससे राजनीति में महिलाओं की भागीदारी और मजबूत होगी। पीएम मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे मिलकर संविधान संशोधन विधेयक को पारित करें, ताकि महिला आरक्षण कानून को वास्तविक रूप से लागू किया जा सके।

सभी सांसद 16-18 अप्रैल को संसद में रहें, भाजपा ने व्हिप जारी किया

भाजपा ने आगामी विशेष संसद सत्र को लेकर अपने सभी सांसदों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्यों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए 16 से 18 अप्रैल तक सदन में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है।पार्टी की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि इस अवधि के दौरान किसी भी सांसद या केंद्रीय मंत्री को छुट्टी नहीं दी जाएगी। सभी सदस्यों को लगातार सदन में उपस्थित रहने और संसद की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है।सूत्रों के अनुसार, यह विशेष संसद सत्र महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए बुलाया गया है। सरकार का लक्ष्य इस ऐतिहासिक विधेयक पर व्यापक बहस और आगे की प्रक्रिया को तेज करना है। भाजपा द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि सभी सांसदों को पूरे सत्र के दौरान सदन में उपस्थित रहना अनिवार्य है और किसी भी प्रकार की अनुपस्थिति स्वीकार नहीं की जाएगी।

आरोपी और उसके सहायक गिरफ्तार

हरियाणा में जज को ब्लैकमेल कर वकील ने मांगे दो करोड़

चंडीगढ़। साइबर थाना पुलिस ने जज को ब्लैकमेल कर दो करोड़ रुपये की मांग करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों की पहचान रोहतक निवासी एक वकील और उसके सहायक के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि आरोपितों के पास कथित तौर पर आपत्तिजनक वीडियो था, जिसके जरिए वे जज पर दबाव बनाकर मोटी रकम वसूलने की कोशिश कर रहे थे।साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन चंडीगढ़ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस

आरोपितों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस ब्लैकमेलिंग रैकेट में और कौन-कौन शामिल हो सकता है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में और भी खुलासे होने की संभावना है। डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है, ताकि पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके।

मेट्रो एंकर

असमानता: वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब की ताजा रिपोर्ट में चौकाने वाला खुलासा

ग्रामीण भारत में 10% के पास 44 फीसदी भूमि, 46 फीसदी भूमिहीन

नई दिल्ली, एजेंसी

देश ग्रामीण इलाकों में जमीन के स्वामित्व को लेकर गहरी असमानता सामने आई है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब की ताजा रिपोर्ट लैंड इनइक्वालिटी इन इंडियाः नेचर, हिस्ट्री एंड मार्केट्स के अनुसार देश के करीब 46 फीसदी ग्रामीण परिवारों के पास अपनी कोई जमीन नहीं है, जबकि महज 10 फीसदी लोगों के पास 44 फीसदी कृषि भूमि केंद्रित है।

इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि केवल 1 फीसदी सबसे संपन्न तबके के पास 18 फीसदी जमीन का नियंत्रण है। इसका अर्थ यह है कि ग्रामीण भारत की एक बड़ी आबादी या तो दूसरों की जमीन पर निर्भर है या मजदूरी के सहारे जीवन यापन कर रही है। अध्ययन में देश के लगभग 2.7 लाख गांवों

और 65 करोड़ लोगों से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है, जिससे यह भारत में भू-स्वामित्व पर अब तक के सबसे व्यापक अध्ययनों में से एक बन जाता है। रिपोर्ट के अनुसार भूमि का यह असमान बंटवारा केवल आर्थिक कारकों का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे प्राकृतिक परिस्थितियां, ऐतिहासिक व्यवस्थाएं और बाजार की भूमिका भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार भारत के अलग-अलग राज्यों में जमीन के वितरण का पैटर्न इतना भिन्न है कि यह अंतर कई देशों के बीच पाई जाने वाली असमानता के बराबर है।

बढ़ता जा रहा अमीर और गरीब देशों में अंतर

विश्व निकाय की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमीर-गरीब देशों के बीच बढ़ती खाई घटाने के लिए वैश्विक वित्तीय संस्थानों में बड़े सुधारों पर गत वर्ष सहमति बनीं। लेकिन इन ऐतिहासिक फैसलों के पूरा न होने से जहां समृद्ध राष्ट्र और मजबूत होते जा रहे हैं, वहीं गरीब देश विकास की दौड़ में पीछे छूटते जा रहे हैं। यूएन में आर्थिक-सामाजिक मामलों के अवर महासचिव ली जुनहुआ ने कहा, गरीब देशों की विकास मदद में सबसे बड़ी 59% गिरावट अमेरिका की ओर से हुई। संयुक्त राष्ट्र अवर महासचिव ली जुनहुआ ने कहा, 2025 में 25 देशों ने गरीब राष्ट्रों के लिए अपनी विकास सहायता काटी, जिसके चलते 2024 की तुलना में कुल 23% की गिरावट दर्ज की गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564